MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 05 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-153

पीओके

पब्लिक लॉकडाउन

पाक सरकार के खिलाफ फूटा गुस्सा

मुजफ्फराबाद/इस्लामाबाद, 04 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और गिलगित-बाल्टिस्तान में बढ़ती महंगाई, बुनियादी सुविधाओं की कमी और राजनीतिक अधिकारों को लेकर लोगों का असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। विभिन्न स्थानीय संगठनों और नेताओं ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में जनता को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जिसके कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद सहित रावलाकोट, कोटली और मीरपुर में लोग सड़कों पर उतरकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि क्षेत्र में महंगाई, बेरोजगारी, बिजली संकट, खराब सड़कें और स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। उनका आरोप है कि कई इलाकों में लोगों को राशन और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ स्थानीय लोगों ने दावा किया कि सरकारी राशन वितरण व्यवस्था पर्याप्त नहीं है और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है।

एक महीने के लिए लॉकडाउन का ऐलान

पीओके के विभिन्न नागरिक संगठनों के संयुक्त मंच 'ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी' ने 9 जून से एक महीने के लिए 'पब्लिक लॉकडाउन' का ऐलान किया है। संगठन के अध्यक्ष शौकत नवाज मीर ने लोगों से अपील की है कि वे आवश्यक राशन और अन्य जरूरी सामान पहले से जमा कर लें। मीर ने कहा कि उनका आंदोलन जनता के अधिकारों और क्षेत्र के विकास की मांग को लेकर है। उनका आरोप है कि पीओके के लोगों के साथ लंबे समय से अन्याय हो रहा है और अब जनता अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करेगी।

गिलगित-बाल्टिस्तान चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गर्माया

इस बीच, गिलगित-बाल्टिस्तान में 7 जून को होने वाले चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल भी गर्म हो गया है। विपक्षी समूहों और स्थानीय नेताओं ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र की राजनीतिक व्यवस्था पर पाकिस्तान की सत्ता और सेना का प्रभाव बना हुआ है। गिलगित-बाल्टिस्तान की पिछली सरकार का कार्यकाल नवंबर 2025 में समाप्त हो गया था। इसके बाद वहां अंतरिम व्यवस्था लागू की गई और अब करीब 7 महीने बाद चुनाव कराए जा रहे हैं।

नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो ने भी उठाए सवाल

चुनावी प्रचार के लिए गिलगित पहुंचे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने क्षेत्र की स्थिति पर चिंता व्यक्त की।

▶8पर

24 राज्यों में मौसम अलर्ट

आया मानसून झूम के

भोपाल/जयपुर, 04 जून (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बटोही इलाके में गुरुवार को बादल फट गया। इसके बाद इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए। पानी और मलबा रिहायशी क्षेत्र में घुस गया, जिससे कई घरों को नुकसान पहुंचा।

प्रशासन और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। पहाड़ी ढलानों के पास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। फिलहाल किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है।

दूसरी ओर, दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार को केरल पहुंच गया। अगले 2-3 दिनों में इसके गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु तक पहुंचने की संभावना है। मानसून पूर्वोत्तर राज्यों और बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में भी आगे बढ़ सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में अगले 7 दिनों के दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं, मध्य प्रदेश में आज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई।

दिल्ली में बारिश से 11 फ्लाइट डायवर्ट

दिल्ली एनसीआर में भी तेज आंधी चली। कई जगह गाड़ियों के ऊपर पेड़ गिर गए। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खराब मौसम के कारण 11 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा।

तीन दिन देरी से पहुंचा है मानसून। इस साल मानसून केरल में सामान्य से 3 दिन देर से पहुंचा है। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। इसके बाद करीब डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। मानसून की वापसी आमतौर पर 17 सितंबर के आसपास राजस्थान से शुरू होती है और 15 अक्टूबर तक पूरी हो जाती है।

मध्य प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार शाम को तेज बारिश हुई। इस दौरान 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। 200 से ज्यादा जगहों पर पेड़ की टहनियां टूट कर गिर गई हैं।

वहीं, दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार दोपहर को अंधेरा छा गया। फिल्म सिटी में आंधी के बाद कई पेड़ टूटकर कारों पर गिर गए। सड़कों पर पानी भरने से ट्रैफिक जाम लग गया।

24 राज्यों में अलर्ट, केरल में 11-20 सेमी तक बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने ओडिशा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और तेलंगाना समेत 24 राज्यों में बारिश, आंधी और तेज हवाओं की संभावना जताई है। वहीं राजस्थान, हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश, ओले गिरने और तेज हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली में भी दो दिन के लिए यलो अलर्ट है।

▶8पर

ललित मोदी का सनसनीखेज दावा

IPL पर कंट्रोल चाहता था दाऊद

नयी दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसके चलते वो सुर्खियों में आ गए हैं। ललित मोदी का दावा है कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसकी डी-कंपनी से मिली लगातार धमकियां, हत्या की साजिशें और जबरन दबाव ही उन सबसे बड़ी वजहों में से एक थीं, जिनके चलते उन्हें क्रिकेट प्रशासन छोड़ना पड़ा।

एएनआई को दिए इंटरव्यू में ललित मोदी ने दावा किया कि आईपीएल को दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग बनाने की कीमत उन्हें अपनी सुरक्षा से चुकानी पड़ी। उन्होंने कहा कि सट्टेबाजी और फिक्सिंग से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के बाद वह अंडरवर्ल्ड के निशाने पर आ गए थे।

रात साढ़े तीन बजे डॉन से हुई थी डरावनी बात

ललित मोदी के मुताबिक दाऊद इब्राहिम आईपीएल पर नियंत्रण चाहता था और सबसे खौफनाक घटना 2012 में लंदन में हुई। उन्होंने दावा किया कि रात करीब 3:30 बजे उन्हें एक प्रभावशाली बिचौलिए के पेंटहाउस में बुलाया गया। वहां कथित तौर पर एक सैटेलाइट फोन के जरिए सीधे दाऊद इब्राहिम से बात कराई गई।

ललित मोदी ने उस पल को याद करते हुए कहा, मैं डर के मारे कांप रहा था। सच कहूं तो मेरी हालत खराब हो गई थी। तभी फोन पर आवाज आई0अब से तुम्हारा सारा काम खत्म और फोन कट गया। उन्होंने बताया कि उस समय उनके घर के बाहर ब्रिटेन की सुरक्षा एजेंसी की सुरक्षा भी मौजूद थी, लेकिन इसके बावजूद वह खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे थे।

2009 में दक्षिण अफ्रीका शिफ्ट होने से बिगड़ा था खेल

ललित मोदी का दावा है कि अंडरवर्ल्ड के साथ टकराव की शुरुआत आईपीएल 2009 के दौरान हुई थी। उस समय भारत में लोकसभा चुनाव होने के कारण उन्होंने पूरे टूर्नामेंट को अचानक साउथ अफ्रीका शिफ्ट कर दिया था। उनके मुताबिक सट्टा बाजार में बड़े पैमाने पर यह दांव लगाया गया था कि आईपीएल रद्द हो जाएगा। लेकिन जब टूर्नामेंट सफलतापूर्वक साउथ अफ्रीका पहुंच गया, तो कथित तौर पर कई सट्टेबाजों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। ललित मोदी ने कहा, उनका आरोप था कि मैंने आईपीएल को शिफ्ट करके उनका करोड़ों का नुकसान कर दिया। वे चाहते थे कि मैं वह पैसा वापस दूं, लेकिन मैंने साफ इनकार कर दिया। ललित मोदी ने दावा किया कि आईपीएल कमिश्नर रहते हुए उन्होंने फिक्सिंग और सट्टेबाजी के खिलाफ कई बड़े कदम उठाए। उन्होंने कहा कि संदिग्ध लोगों को स्टेडियमों से दूर रखा गया,

▶8पर

अब विप्रो धर्मसंकट!

... बात नहीं मानी तो नौकरी से निकाला

पुणे, 04 जून (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के नासिक में टीसीएस कार्यालय में कथित धार्मिक उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण के मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अब महाराष्ट्र के पुणे से भी ऐसा ही एक गंभीर मामला सामने आया है। आईटी कंपनी विप्रो के पुणे कार्यालय की एक पूर्व कर्मचारी ने अपने बॉस पर धार्मिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों के सामने आते ही पुलिस और कंपनी, दोनों ने अपने-अपने स्तर पर मामले की जांच शुरू कर दी है। कथित धर्मांतरण के दबाव के आरोपों पर विप्रो का आधिकारिक बयान भी आया है, जिसमें कंपनी ने कहा है कि जांच में पुलिस का पूरा सहयोग किया जा रहा है।

विप्रो की पूर्व कर्मचारी ने मानवाधिकार आयोग से भी की शिकायत

दरअसल, आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी विप्रो की एक पूर्व कर्मचारी ने कंपनी के पुणे कार्यालय में कार्यरत अपने वरिष्ठ सहयोगियों पर धार्मिक उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित कर्मचारी ने इस संबंध में स्थानीय पुलिस प्रशासन और मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, पुणे के हिंजवड़ी स्थित विप्रो परिसर में काम करने के दौरान कुछ वरिष्ठ प्रबंधकों और टीम लीडर्स द्वारा उन्हें उनके धार्मिक विश्वासों के कारण निशाना बनाया गया। आरोप है कि पीड़िता पर एक विशिष्ट धर्म को अपनाने और उसकी प्रथाओं का पालन करने के लिए लगातार मानसिक दबाव डाला जा रहा था। जब कर्मचारी ने इसका विरोध किया, तो कार्यस्थल पर उनका उत्पीड़न और अधिक बढ़ा दिया गया। पीड़िता ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि बात न मानने पर उन्हें खराब परफॉर्मेंस रिव्यू देने और नौकरी से निकालने की धमकियां दी गईं। इस लगातार बढ़ते मानसिक तनाव और प्रताड़ना के चलते आखिरकार उन्हें अपने पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कंपनी की आंतरिक प्रक्रिया के तहत भी शिकायत दर्ज कराई थी, मगर वहां से उचित प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्होंने कानूनी रास्ता अपनाने का फैसला किया। इस मामले के सामने आने के बाद पुणे पुलिस और संबंधित विभाग आरोपों की सत्यता की जांच कर रहे हैं।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36⁰
न्यूनतम : 26⁰

खेड़ा की 'तपस्या' पूरी, खड़गे संग कर्नाटक से जाएँगे राज्यसभा

नयी दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मंजूरी वाली इस सूची में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला नाम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा का है, जिन्हें कर्नाटक कोटे से उच्च सदन भेजा जा रहा है। कांग्रेस के सबसे मजबूत गढ़ कर्नाटक से तीन दिग्गजों को मैदान में उतारा गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे खुद कर्नाटक से उच्च सदन के लिए दांव आजमाएंगे। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और मुखर चेहरे पवन खेड़ा को भी कर्नाटक से राज्यसभा का टिकट दिया गया है। अल्पसंख्यक समुदाय के बड़े चेहरे के रूप में मंसूर अली खान को कर्नाटक से तीसरी सीट का प्रत्याशी बनाया गया है। इस सूची में सबसे ज्यादा ध्यान पार्टी के मीडिया और प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा के नाम ने खींचा है।

▶8पर

भाजपा राज्यसभा सूची जारी

बिट्टू-जॉर्ज बाहर, नए चेहरों पर दाँव

नयी दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। सूची जारी होते ही राजनीतिक गलियारों में केंद्रीय राज्य मंत्रियों रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कूरियन को दोबारा मौका नहीं मिलने की चर्चा तेज हो गई है। दोनों नेताओं का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है और राज्यसभा के लिए पुनर्नामांकन न मिलने के कारण उनके केंद्रीय मंत्रिपरिषद से बाहर होने की संभावना जताई जा रही है। राजस्थान कोटे से राज्यसभा सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को इस बार टिकट नहीं दिया गया। पंजाब में सिख समुदाय के प्रमुख चेहरों में शामिल बिट्टू का कार्यकाल शीघ्र समाप्त होने वाला है।

▶8पर

ममता बे'चारी

अब 'इंडिया गठबंधन' शरणम गच्छामि

नयी दिल्ली/कोलकाता, 04 जून (एजेंसियां)।

बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के आग्रह पर इंडिया गठबंधन की बैठक 8 जून को होने की संभावना है, जिसमें उनके साथ अभिषेक बनर्जी के भी शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि, अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि ममता बनर्जी को इस समय 'इंडिया गठबंधन' की जरूरत क्यों पड़ रही है, जबकि अब तक उनके इस गठबंधन के साथ रिश्ते काफी उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं।

दरअसल, सत्ता से बाहर होने के बाद ममता बनर्जी अपने राजनीतिक जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा में उनकी पार्टी कमजोर पड़ती दिख रही है, जहां उनके 80 में से 58 विधायक अलग गुट बनाकर खुद को असली तृणमूल कांग्रेस बता चुके हैं और विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उन्हें मान्यता भी मिल चुकी है। ऐसे में बीजेपी के खिलाफ मुकाबला करने के लिए ममता बनर्जी को राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन की आवश्यकता महसूस हो रही है, जो उन्हें इंडिया गठबंधन से मिल सकता है।

ममता बनर्जी इस राजनीतिक अलगाव के दौर में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के

▶8पर

यूएन में पाकिस्तान का खेल खत्म! पहली बार सुरक्षा परिषद पहुंचा किर्गिस्तान, जर्मनी को लगा बड़ा झटका

न्यूयार्क

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) सुरक्षा परिषद की संरचना में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। 3 जून 2026 को आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के कड़े और हाई-प्रोफाइल चुनावों में किर्गिस्तान को सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के गैर-स्थायी सदस्य के रूप में चुन लिया गया है। एशिया-प्रशांत समूह की इस महत्वपूर्ण सीट पर अब किर्गिस्तान भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान की जगह लेगा, जिसका दो साल का कार्यकाल 2026 के अंत में समाप्त हो रहा है। किर्गिस्तान का यह नया ऐतिहासिक कार्यकाल 1 जनवरी 2027 से शुरू होकर 31 दिसंबर 2028 तक चलेगा। साल 1992 में संयुक्त राष्ट्र का हिस्सा बनने के बाद यह पहला मौका है जब किर्गिस्तान विश्व की सबसे शक्तिशाली सुरक्षा परिषद की मेज पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा है।

एशिया-प्रशांत सीट के लिए किर्गिस्तान और फिलीपींस के बीच बेहद कड़ा और दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला। पूरे चार दौर की गहन वोटिंग के बाद किर्गिस्तान ने 142 वोटों के भारी बहुमत के साथ शानदार जीत दर्ज की, जबकि फिलीपींस के खाते में महज 49 वोट ही आए। किर्गिस्तान के अलावा आस्ट्रिया, पुर्तगाल, त्रिनिदाद और टोबैगो, तथा जिम्बाब्वे को भी 2027-2028 के कार्यकाल के लिए सुरक्षा परिषद का नया गैर-स्थायी सदस्य चुना गया है। ये पांचों नए देश साल 2026 के अंत में अपना कार्यकाल पूरा कर रहे सदस्य देशों- पाकिस्तान, डेनमार्क, ग्रीस, पनामा और सोमालिया को रिप्लेस करेंगे। इस चुनाव में पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह में आस्ट्रिया (131 वोट) और पुर्तगाल (134 वोट) ने बाजी मार ली, जबकि सबसे बड़े दावेदारों में शुमार किए जा रहे जर्मनी (104 वोट) को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसे एक बड़ा राजनयिक झटका माना जा रहा है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य होते हैं, जिनमें 5 स्थायी देश (अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस) वीटो पावर से लैस हैं, जबकि 10 गैर-स्थायी सदस्यों को भौगोलिक प्रतिनिधित्व के आधार पर 2 साल के सीमित कार्यकाल के लिए चुना जाता है।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने परमाणु सामग्री उत्पादन सुविधा केंद्र का दौरा किया

प्योंगयांग (उत्तर कोरिया)/सियोल (दक्षिण कोरिया)। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन ने हाल ही में शुरू की गई एक परमाणु सामग्री उत्पादन सुविधा केंद्र का दौरा किया है। उन्होंने इस अवसर पर देश के परमाणु हथियारों के भंडार को तेजी से मजबूत करने का संकल्प लिया है। किम के साथ पार्टी के प्रमुख अधिकारी भी थे। यह जानकारी गुरुवार को सरकारी मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने दी। केसीएनए ने इस स्थान का खुलासा नहीं किया है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय के हवाले से इस घटनाक्रम की चर्चा की है। सियोल में रक्षा मंत्रालय के संवाददाता सम्मेलन में कहा गया है कि यह सुविधा केंद्र यूरेनियम संवर्धन स्थल हो सकता है। इस समय उत्तर कोरिया के योंगब्योन, कांगसोन और कुसोंग में यूरेनियम संवर्धन सुविधा केंद्र हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह साफ नहीं है कि किम ने क्या किसी चौथे सुविधा केंद्र का दौरा किया। किम ने कहा कि पिछले पांच वर्ष में उत्तर कोरिया की परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता दोगुनी से भी अधिक हो गई है। यह संभावित खतरे और अप्रत्याशित दीर्घकालिक संकट के समय के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने संकेत दिया कि प्योंगयांग का अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि नया केंद्र देश की परमाणु क्षमता को तेजी से उन्नत करने की दिशा में मील का पत्थर हुआ है।

फ्रांसीसी महिला से सामूहिक दुष्कर्म के दोषियों की फांसी की सजा बरकरार

लाहौर। पाकिस्तान की लाहौर हाईकोर्ट ने देश के सबसे चर्चित और झकझोर देने वाले सामूहिक दुष्कर्म मामलों में से एक में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने फ्रांसीसी मूल की महिला के साथ उसके तीन मासूम बच्चों के सामने गैंगरेप करने वाले दो मुख्य दोषियों की फांसी की सजा को बरकरार रखा है। अदालत ने दोनों दोषियों आबिद अली और शफकत अली की उस अपील को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। इससे पहले, साल 2021 में एक आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) ने इन दोनों को दोषी पाते हुए मौत की सजा सुनाई थी, जिस पर अब हाई कोर्ट ने भी अपनी अंतिम मुहर लगा दी है। यह खौफनाक वारदात 9 सितंबर 2020 की रात को सियालकोट-लाहौर मोटरवे पर हुई थी। फ्रांसीसी नागरिकता प्राप्त पाकिस्तानी मूल की एक महिला अपने तीन बच्चों के साथ कार से सफर कर रही थी, तभी अचानक उसकी गाड़ी का ईंधन (पेट्रोल) खत्म हो गया। महिला ने सुरक्षा के लिहाज से कार के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर लीं और सड़क किनारे मदद का इंतजार करने लगी। इसी दौरान आबिद और शफकत वहां पहुंचे।

सिंधु जल संधि पर भारत का फैसला पाकिस्तान के लिए गंभीर चुनौती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने दियामर-भाशा बांध

परियोजना को जल्द पूरा करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए इसे पाकिस्तान की जल और ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया है। दियामर में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत द्वारा सिंधु जल संधि पर लगाए गए अस्थायी रोक संबंधी कदम की आलोचना की और इसे पाकिस्तान के लिए गंभीर चुनौती बताया। बिलावल भुट्टो ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी जल भंडारण और ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से आग्रह किया कि दियामर-भाशा बांध परियोजना को प्राथमिकता देते हुए इसके निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। उनके अनुसार यह परियोजना न केवल बिजली उत्पादन बढ़ाएगी बल्कि कृषि क्षेत्र को भी लाभ पहुंचाएगी। दियामर-भाशा बांध पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में निर्माणाधीन एक बड़ी जलविद्युत परियोजना है। लगभग 4,500 मेगावाट क्षमता वाली इस परियोजना की अनुमानित लागत 15 अरब डालर बताई जाती है। पाकिस्तान का दावा है कि इसके पूरा होने से जल भंडारण क्षमता बढ़ेगी और लाखों एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई में मदद मिलेगी।

कूटनीतिक चक्रव्यूह में घिरने के बाद भारत के आगे गिड़गिड़ाया तुर्की

अंकारा

वैश्विक भू-राजनीति में भारत का रणनीतिक प्रभाव इस कदर मजबूत हुआ है कि कभी खुलकर विरोध करने वाले देश भी अब अपने रुख में नरमी लाने पर मजबूर हैं। इसका सबसे ताजा उदाहरण तुर्की के रूप में सामने आया है, जो लंबे समय तक कश्मीर और आतंकवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर पाकिस्तान का आंख मूंदकर समर्थन करता आया है। हाल ही में सिंगापुर के रैफल्स होटल में आयोजित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार स्ट्रेटजीक स्टडीज (आईएसएस) के एक कार्यक्रम के दौरान तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान के बयानों में यह साफ बदलाव देखा गया। उन्होंने भारत के साथ रिश्तों को सुधारने की वकालत करते हुए कहा कि पाकिस्तान के साथ तुर्की की दोस्ती को भारत के खिलाफ दुश्मनी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

तुर्की के विदेश मंत्री ने वैश्विक मंच से भारत से अपील करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय स्तर पर कोई सीधा विवाद नहीं है। उन्होंने आग्रह किया कि भारत इस मामले को एक अलग नजरिए से देखे और दोनों देशों के पास आपसी फायदे और सहयोग के लिए बहुत से क्षेत्र मौजूद हैं, जिनमें तुर्की आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

तुर्की के इन नर्म पड़ते तेवरों के पीछे भारत की वह मजबूत कूटनीति है, जिसने तुर्की को उसके अपने ही क्षेत्र में रणनीतिक रूप से घेर लिया है। इस कूटनीतिक बदलाव की सबसे बड़ी वजह भारत और साइप्रस के बीच लगातार बढ़ती नजदीकियां हैं। पिछले महीने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के भारत दौरे के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया था। उल्लेखनीय है कि तुर्की ने साल 1974 से साइप्रस के एक-तिहाई हिस्से पर अवैध कब्जा कर रखा है।

अब रक्षा गलियारों से आ रही खबरों के मुताबिक, साइप्रस अपनी सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए भारत से अत्याधुनिक ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें और घातक नागास्त्र-1 सुसाइड ड्रोन खरीदने की गंभीर तैयारी कर रहा है। भारत द्वारा तुर्की के विरोधी देश को सैन्य रूप से सक्षम बनाने के इन संकेतों ने तुर्की सरकार की चिंताओं को बेहद बढ़ा दिया है।

इसके अलावा, पिछले साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए आपरेशन सिंदूर चलाया था। उस दौरान तुर्की ने भारत के आतंकवाद विरोधी कदमों की निंदा की थी और पाकिस्तान को सैन्य सहायता और ड्रोन की आपूर्ति की थी। भारत ने इस कूटनीतिक धोखे का जवाब देते हुए ईस्टर्न मेडिटेरेनियन क्षेत्र में तुर्की के धुर विरोधी देशों—ग्रीस और साइप्रस के साथ मिलकर अपनी रणनीतिक और सैन्य मौजूदगी को मजबूत कर लिया है, जिसके कारण आज तुर्की खुद को अलग-थलग महसूस कर रहा है।

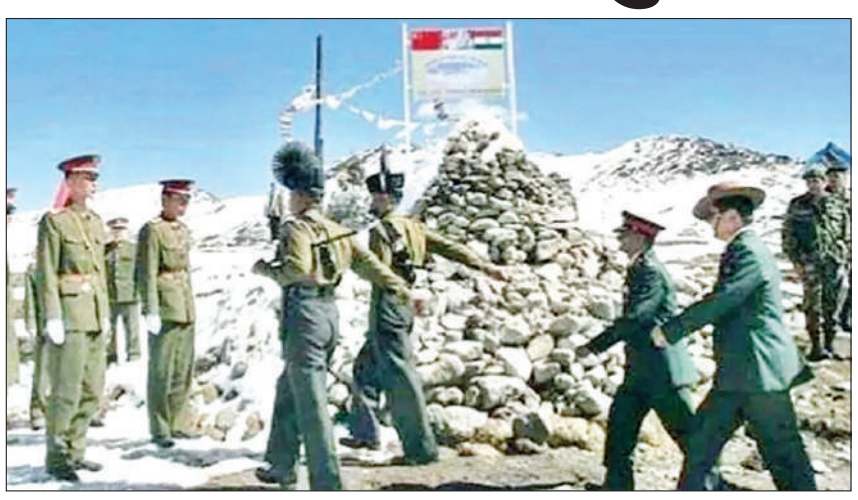

ईरान ने स्पष्ट किया कहा- हमने नहीं किया कुवैत एयरपोर्ट पर हमला

तेहरान। सीजफायर की घोषणा के बीच कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट को पहुंचे नुकसान को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने एक बयान जारी कर दावा किया है कि इस एयरपोर्ट को हुआ नुकसान किसी ईरानी हमले के कारण नहीं हुआ है। आईआरजीसी के प्रवक्ता के मुताबिक, यह तबाही दरअसल अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की तकनीकी खराबी का नतीजा थी। ईरान ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि उसके सैन्य बलों का कुवैत एयरपोर्ट पर हुए इस हादसे से कोई संबंध नहीं है। दूसरी ओर, ओमान सागर में एक अमेरिकी युद्धपोत पर हमले के दावे को लेकर भी दोनों महाशक्तियों के बीच सीधा टकराव देखने को मिल रहा है। ईरान के मीडिया हलकों में दावा किया गया कि ईरानी नौसेना ने ओमान सागर में एक अमेरिकी सैन्य पोत को निशाना बनाया है, जो कथित तौर पर कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के रूप में काम करते हुए ईरानी जलक्षेत्र के बेहद करीब पहुंच गया था। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। सेंटकाम ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि ईरान का यह दावा पूरी तरह से झूठा और भ्रामक है। अमेरिकी सैन्य संसाधन समुद्र में पूरी तरह सुरक्षित हैं और बिना किसी बाधा के अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत अपना अभियान चला रहे हैं। इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम को लेकर एक नया समझौता सामने आया है, लेकिन इसके बावजूद पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अमेरिका ने आधिकारिक घोषणा की है कि इजरायल और लेबनान युद्धविराम की शर्तों पर पूरी तरह सहमत हो गए हैं।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध अधिकार पर रोक लगाई

वाशिंगटन

अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव) ने बुधवार को 215-208 वोटों से एक समवर्ती प्रस्ताव पारित करके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध करने के अधिकारों पर रोक लगा दी। महत्वपूर्ण यह है कि डेमोक्रेट्स के इस प्रस्ताव का चार रिपब्लिकन ओहियो के प्रतिनिधि वारेन डेविडसन, पेंसिल्वेनिया के ब्रायन फिट्ज़पैट्रिक, मिशिगन के टाम बैरेट और केंटकी के थामस मैसी ने समर्थन किया।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान या उसकी सेना या सरकार के किसी भी हिस्से के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कार्रवाई में अमेरिकी सशस्त्र बलों का इस्तेमाल तब तक बंद कर देना चाहिए, जब तक कि युद्ध की घोषणा या बल प्रयोग का अधिकार देने वाला कानून पारित न हो जाए। प्रतिनिधि सभा से पारित यह प्रस्ताव अब सीनेट में जाएगा। सीनेट भले ही इसका समर्थन कर दे, लेकिन एक समवर्ती प्रस्ताव में कानून जितना वजन नहीं होता और इसे राष्ट्रपति के सामने पेश नहीं किया जाता, न ही इस पर राष्ट्रपति के वीटो का अधिकार लागू होता है।

मतदान के बाद हाउस की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट ग्रेगरी मीक्स ने पत्रकारों से कहा, कांग्रेस ने आज संविधान का पालन किया है। डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन दोनों ने कहा कि अब बहुत हो चुका। अब इस युद्ध को खत्म करने का समय आ गया है। अब राष्ट्रपति को अमेरिकी लोगों को यह बताने का समय आ गया है कि हम इस युद्ध में क्यों शामिल हुए।

युद्ध शुरू होने के बाद से यह चौथी बार है जब हाउस में डेमोक्रेट्स के नेतृत्व वाले ईरान युद्ध अधिकार प्रस्ताव पर मतदान हुआ। वोटिंग से पहले स्पीकर माइक जानसन ने कहा, मुझे लगता है कि इस समय प्रशासन और कमांडर-इन-चीफ से बातचीत करने का अधिकार छीन लेना एक बहुत ही खतरनाक कदम होगा। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि यह प्रस्ताव छह रिपब्लिकन सदस्यों की अनुपस्थिति के कारण पारित हुआ है। इस अधिकारी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप कमांडर-इन-चीफ के तौर पर अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना जारी रखेंगे, और साथ ही कांग्रेस के प्रति पूरी तरह पारदर्शी भी रहेंगे।

सीमा विवाद पर घिरे नेपाली पीएम शाह, जेन-जी मांग रहा इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन शाह) के एक विवादास्पद बयान ने देश की राजनीति में जबरदस्त भूचाल ला दिया है। जिस युवा पीढ़ी और जेन-जी वोटर्स ने पिछले साल पारंपरिक राजनीतिक दलों के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन खड़ा करके बालेन शाह को सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाया था, आज वही युवा उनके खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं और उनसे इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। काठमांडू सहित नेपाल के कई प्रमुख हिस्सों में उनके खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। देश के बड़े छात्र संगठनों के एक शक्तिशाली गठबंधन ने प्रधानमंत्री के इस बयान को सीधे तौर पर राष्ट्रविरोधी करार देते हुए राजधानी काठमांडू की सड़कों पर विशाल मशाल जुलूस निकाला है। इस भारी राजनीतिक विवाद की मुख्य वजह प्रधानमंत्री बालेन शाह द्वारा संसद में भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर दिया गया एक बयान है। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा सीमा विवाद पर बोलते हुए कहा कि जिस तरह भारत ने नेपाल की जमीन पर कब्जा किया है, ठीक उसी तरह नेपाल ने भी भारत की जमीन दबा रखी है। इसके साथ ही उन्होंने इस मामले को सुलझाने के लिए ब्रिटेन और चीन जैसे तीसरे देशों से मदद लेने की वकालत भी कर डाली। प्रधानमंत्री के इस बयान ने नेपाल के राष्ट्रवादी खेमे और युवाओं को बुरी तरह भड़का दिया है।

फाइनल सी-ट्रायल पर निकला रूस का न्यूक्लियर पावर्ड जंगी जहाज

मास्को

समंदर के रास्ते से एक ऐसी खबर आ रही है, जिसने वैश्विक महाशक्तियों की नींद उड़ा दी है। रूस ने करीब 30 साल बाद अपने एक बेहद शक्तिशाली दैत्य को समंदर में उतार दिया है, जो अकेले ही किसी भी आधुनिक नौसैनिक बेड़े को पलक झपकते ही तबाह करने की क्षमता रखता है। रूस ने दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा से चलने वाले जंगी जहाज एडमिरल नाखिमोवको अपने फाइनल सी-ट्रायल (अंतिम समुद्री परीक्षण) के लिए रवाना कर दिया है। समंदर का यह सुल्तान इतना खतरनाक है कि इसके सामने आने के बाद विरोधी जहाजों को संभलने का मौका तक नहीं मिलेगा।

रूस का यह कीरोव-क्लास क्रूजर कोई आम लड़ाकू जहाज नहीं है। यह वर्तमान में दुनिया का इकलौता और सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर्ड काम्बैट शिप (परमाणु संचालित युद्धपोत) है, जिसका कुल वजन करीब 28,000 टन है। इसके विशाल आकार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह अकेला जहाज अमेरिका के तीन सबसे आधुनिक अर्ली बर्क क्लास डिस्ट्रायर जहाजों से भी बड़ा और भारी है। सोवियत संघ के जमाने का यह महादानव पिछले तीन दशकों से अत्याधुनिक अपग्रेडेशन के दौर से गुजर रहा था। अगस्त 2025 में इसने पहली बार अपनी खुद की ताकत से समंदर की लहरों को चीरना शुरू किया था और अब साल 2026 में यह अपनी अंतिम परीक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। रूस के सेवेर्नोए डिजाइन ब्यूरो के मुताबिक, इस जहाज को इस तरह अपग्रेड किया गया है कि यह आज की तारीख में दुनिया का सबसे ताकतवर काम्बैट शिप बन चुका है। हालांकि, यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के कारण लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और भारी बजट संकट की वजह से रूस को इसके जुड़वां जहाज प्योत्र वेलिकी को समय से पहले ही रिटायर करना पड़ा, क्योंकि दोनों जहाजों का रखरखाव रूसी अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा था। साल 2022 में यूक्रेन के एक हमले में रूस का प्रसिद्ध मोस्कवा जहाज डूब गया था, जिससे रूसी नौसेना की साख को झटका लगा था। अब एडमिरल नाखिमोव को सीधे रूस के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण आर्कटिक बेड़े में शामिल किया जा रहा है, ताकि वह अमेरिका और नाटो देशों के किसी भी कदम का मुंहतोड़ जवाब दे सके।

176 मिसाइल लान्च सेल्स लगाए गए

इस महाविनाशक जहाज के भीतर हथियारों का ऐसा जखीरा मौजूद है कि कोई भी दुश्मन इसके करीब आने की हिम्मत नहीं कर सकता। इस जहाज में कुल 176 मिसाइल लान्च सेल्स लगाए गए हैं। इनमें से करीब 100 सेल्स में रूस के सबसे आधुनिक और अचूक एयर डिफेंस सिस्टम S-400 का नेवल (नौसैनिक) वर्जन तैनात किया गया है, जो आसमान से आने वाली हर आफत को रोक सकता है। इसके अलावा, बाकी बचे सेल्स में रूस की सबसे घातक जिरकान हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलें भरी गई हैं। यह मिसाइल ध्वनि की रफ्तार से 9 गुना तेजी (मैक 9) से उड़ान भरती है और 1,000 किलोमीटर दूर बैठे दुश्मन को संभलने का एक सेकेंड का मौका भी नहीं देती।

यूरोप में बढ़ता स्वास्थ्य संकट: तीन साल में 80 हजार नए एचआईवी मामले और 9 हजार टीबी मौतों की आशंका

हर साल लगभग 59 हजार लोगों की मौत

सुरक्षित यौन व्यवहार के प्रति लापरवाही इसके प्रमुख कारण

ब्रुसेल्स

यूरोप में संक्रामक बीमारियों को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। यूरोपीय रोग निवारण एवं नियंत्रण केंद्र (ईसीडीसी) ने चेतावनी दी है कि यदि वर्तमान स्थिति जारी रही तो अगले तीन वर्षों में यूरोप में लगभग 80 हजार नए एचआईवी संक्रमण के मामले सामने आ सकते हैं, जबकि तपेदिक (टीबी) के कारण 9 हजार से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है।

ईसीडीसी की निदेशक पामेला रेंडी-वैगनर ने कहा कि यूरोप एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती का सामना कर रहा है। उन्होंने बताया कि एचआईवी, टीबी और अन्य यौन संचारित संक्रमणों के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। हाल ही में जारी ईसीडीसी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में यूरोप में पिछले एक दशक की तुलना में यौन संचारित संक्रमणों की सबसे अधिक दर दर्ज की गई। सिफलिस और गोनोरिया जैसे संक्रमणों के मामलों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि जागरूकता की कमी, समय पर जांच न होना और सुरक्षित यौन व्यवहार के प्रति लापरवाही इसके प्रमुख कारण हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के साथ-साथ आइसलैंड, लिकटेंस्टीन और नार्वे में संक्रामक रोगों का बोझ लगातार बढ़ रहा है। अनुमान है कि इन देशों में हर साल लगभग 59 हजार लोगों की मौत एचआईवी, टीबी और अन्य यौन संचारित संक्रमणों से जुड़ी जटिलताओं के कारण होती है। स्वास्थ्य एजेंसियों के आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में यूरोपीय संघ, आइसलैंड, लिकटेंस्टीन और नार्वे में करीब 8 लाख लोग एचआईवी संक्रमण के साथ जीवन बिता रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर जांच, प्रभावी उपचार और जागरूकता अभियान इन आंकड़ों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ईसीडीसी ने सदस्य देशों से एचआईवी और टीबी नियंत्रण कार्यक्रमों को मजबूत करने, परीक्षण सुविधाओं का विस्तार करने तथा जोखिम वाले समूहों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का आह्वान किया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अभी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में यूरोप को एक बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के ग़ुस्से का शिकार बना सकता है। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। अपना नज़रिया दोस्तों और रिश्तेदारों पर थोपने की कोशिश न करें। क्योंकि न सिर्फ़ यह आपके लिए कुछ ख़ास फ़ायदेमंद साबित नहीं होगा अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आप ख़ुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफ़ी ख़ाली समय मिलने की संभावना है। ख़ाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए, नहीं तो दुर्घटना हो सकती है इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मुश्किल घड़ी में रिश्तेदार भी काम आएंगे। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। आप और आपका महबूब आज प्यार के समुन्दर में गोते लगाएंगे और प्यार की मदहोशी को महसूस करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये-पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। समय, कामकाज, पैसा, यार-दोस्त, नाते-रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ़, दोनों आपस में खोए हुए – कुछ ऐसा मिज़ाज रहेगा आपका आज। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। आपके नज़दीकी लोग निजी जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं। आप अपने प्रिय की बांहों में आराम महसूस करेंगे। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें।
आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ और मीठी यादों को फिर से ताज़ा करें, ताकि पुराने दिनों को फिर से वापस लाया जा सके। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। दफ़्तर में अपनी ग़लती स्वीकार करना आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन आपको इसे सुधारने के लिए विश्लेषण की ज़रूरत है। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आर्थिक जीवन में आज ख़ुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशगुमा रहेगी। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है - रोमानी व प्यार से भरा; जहाँ सिर्फ़ आप और आपका जीवनसाथी साथ हों।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। बेहतर कामकाज के चलते आपको तारीफ़ मिल सकती है। आपके घर का कोई करीबी शख़्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 जून 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 01:23 तक
नक्षत्र : श्रवण अहोरात्र
योग : ब्रह्म प्रात: 09:41 तक
करण : कौलव दोपहर 12:31 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33, सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : अधिक मास चालू है , विश्व पर्यावरण दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पार्लियामेंट ऑफ विक्टोरिया में होगा 13वां भारत गौरव अवार्ड समारोह 10 को

18 देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में 25 विशिष्ट प्रतिभाओं का होगा सम्मान

जयपुर, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय संस्कृति, मूल्यों और वैश्विक उत्कृष्टता का उत्सव बन चुके भारत गौरव अवार्ड का 13वां संस्करण आगामी 10 जून 2026 को ऑस्ट्रेलिया की ऐतिहासिक पार्लियामेंट ऑफ विक्टोरिया, मेलबर्न में आयोजित किया जाएगा।

संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित यह भव्य समारोह विश्वभर में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा, प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों तथा भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रभाव का साक्षी बनेगा।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भारत गौरव अवार्ड का आयोजन ब्रिटिश संसद (लंदन), फ्रांस की सीनेट, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय (न्यूयॉर्क) तथा दुबई जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इस वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाली 25 विशिष्ट प्रतिभाओं को भारत गौरव अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा।

संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि भारत गौरव अवार्ड विश्वभर में भारतीयों के लिए सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मानों में से एक माना जाता है। यह सम्मान उन व्यक्तित्वों को समर्पित है, जिन्होंने व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कला, संस्कृति, अध्यात्म, जनसेवा, उद्यमिता तथा मानव कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देकर वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान को सशक्त बनाया है।

इस वर्ष सम्मानित होने वाली प्रमुख विभूतियों में महाराष्ट्र की प्रथम महिला श्रीमती अमृता फडणवीस, पद्मश्री सम्मानित सद्गुरु ब्रह्मेशानंद आचार्य स्वामी, ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की प्रथम सांसद कौशल्या वाघेला, उद्योगपति सनवर हर्षवाल, पद्मश्री सम्मानित शास्त्रीय गायिका डॉ. सोमा घोष, पद्मविभूषण एवं पद्मभूषण से सम्मानित दिवंगत विज्ञापन विशेषज्ञ पीयूष पांडे, आध्यात्मिक गुरु करौली शंकरदासजी महाराज, न्यूजीलैंड के सामुदायिक नेता नरेन्द्र भाना, दिल्ली पब्लिक स्कूल के चेयरमैन विवेक यादव, ऑस्ट्रेलिया में भारतीय आयुर्वेद एवं वेलनेस विशेषज्ञ रीटा सगरानी, अमेरिका के प्रसिद्ध शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक जैन, मुंबई की पर्यावरणविद् सहर भामला, तमिलनाडु के उद्योगपति डॉ. जी. शनमुगा राजा, शिक्षाविद् प्रो. डॉ. निर्मला एस. मौर्य, अमेरिकी उद्योगपति रणधीर ठाकुर, प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज के ग्लोबल सचिव राजयोगी बी.के. सूर्या भाईजी, प्रसिद्ध योगाचार्य ढाकाराम, ऑस्ट्रेलिया में मल्टीकल्चरल क्रिकेट एम्बेसडर संजय शर्मा, अमेरिका के आध्यात्मिक गुरु स्वामी अद्वैतानंदगिरिजी, भारत-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक गठबंधन की सह-अध्यक्ष डॉ. रतन विर्क, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के पूर्व चेयरमैन डॉ. सेतुरत्नम रवि, जैन समाज के प्रमुख समाजसेवी स्व. निर्मल कुमार जैन सेठी, विरासत संरक्षण विशेषज्ञ राम सवानी, ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के प्रथम मेयर प्रदीप तिवारी तथा प्रसिद्ध उद्योगपति प्रवीण शर्मा शामिल हैं।

समारोह में सम्मानित विभूतियों को भारत गौरव अलंकरण, प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान दुपट्टा प्रदान किया जाएगा।

पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि भारत गौरव अवार्ड केवल सम्मान प्रदान करने का मंच नहीं, बल्कि विश्वभर में भारतीय प्रतिभा, सेवा, नेतृत्व और नवाचार को सम्मानित करने का एक वैश्विक अभियान है।

यह उन प्रेरणादायक व्यक्तित्वों को नमन करने का अवसर है, जिन्होंने अपने कार्यों से भारत का गौरव विश्व पटल पर बढ़ाया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हैं।

उन्होंने बताया कि इस समारोह में भारत सहित 18 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, इटली, स्विट्जरलैंड, स्पेन, पोलैंड, थाईलैंड और हांगकांग सहित विभिन्न देशों के भारतीय समुदाय के प्रमुख सदस्य शामिल होंगे। यह आयोजन वैश्विक भारतीय समुदाय को एक मंच पर लाकर सांस्कृतिक सहयोग, नेतृत्व, नवाचार तथा भारत के भविष्य में प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर सार्थक संवाद का अवसर प्रदान करेगा।

कार्यक्रम संयोजक सुनील खेतपालिया ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथियों में महंत डॉ. नरेशपुरीजी महाराज (अध्यक्ष, श्री मेहंदीपुर बालाजी धाम), स्टीव डिमोपोलोस (पर्यावरण मंत्री, विक्टोरिया सरकार), विवियन (विव) गुयेन एएम (अध्यक्ष, विक्टोरियन मल्टीकल्चरल कमीशन), मेंग हेंग टाक (विक्टोरियन सांसद) तथा राकेश के. शुक्ला (मुख्य सलाहकार, महाकुंभ) शामिल रहेंगे।

सूत्रधार साहित्यिक संस्था स्थापना दिवस एवं तेलंगाना स्थापना दिवस पर छाछ वितरित

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद, भारत के सप्तम स्थापना दिवस एवं तेलंगाना स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर संस्था द्वारा आर्य कन्या विद्यालय, सुल्तान बाजार के समीप प्राकृतिक वातावरण में घने वृक्षों की छाया तले छाछ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह जानकारी संस्था की संस्थापिका सरिता सुराणा ने दी। कार्यक्रम में सूत्रधार संस्था की सचिव आर्या झा, संगठन सचिव खुशबू सुराणा, कार्यकारिणी समिति सदस्य सुहास भटनागर, अमित झा तथा के राजन्ना ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। इसके अतिरिक्त आर्य कन्या विद्यालय के व्यवस्थापक प्रदीप जाजू एवं एम प्रताप रुद्र, मिलिंद प्रकाशन के संचालक एवं हिन्दी सलाहकार समिति, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य श्रुतिकांत भारती, वीणावादिनी साहित्यिक संस्था की सचिव सुधा ठाकुर तथा पद्मा टंकसाली ने कार्यक्रम की व्यवस्था एवं वितरण कार्य में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। भीषण गर्मी को देखते हुए आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में राहगीरों, विद्यार्थियों एवं आमजन के बीच कुल 900 पैकेट छाछ वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ सक्रिय सहभागिता निभाई। सूत्रधार साहित्यिक संस्था की संस्थापिका सरिता सुराणा ने बताया कि सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था के पांच प्रमुख उद्देश्यों में से एक समाज सेवा है। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पद्मश्री डॉ. पी. विजय आनंद रेड्डी का नागरिक सम्मान

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं अपोलो हॉस्पिटल के कैंसर विभागाध्यक्ष डॉ. पी. विजय आनंद रेड्डी का तेलंगाना मेधावुला फोरम द्वारा नागरिक सम्मान किया गया। अपोलो हॉस्पिटल में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पद्मश्री सम्मान मिलने के बाद समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है तथा वे कैंसर-मुक्त समाज के निर्माण एवं रोगियों को अत्याधुनिक उपचार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

उन्होंने कैंसर के संभावित लक्षणों एवं बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए तंबाकू और धूम्रपान से दूर रहने, नियमित व्यायाम, योग तथा संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी।

इस अवसर पर तेलंगाना मेधावुला फोरम के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने कहा कि डॉ. रेड्डी पिछले तीन दशकों से कैंसर रोगियों की सेवा एवं कैंसर नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। हाल ही में उन्हें राष्ट्रपति के हाथों पद्मश्री सम्मान प्राप्त हुआ है।

समारोह में डॉ. राज नारायण मुदिराज ने डॉ. विजय आनंद रेड्डी को शॉल, स्मृति चिन्ह, पुष्पमाला एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक एवं चिकित्सा विशेषज्ञ उपस्थित रहे तथा डॉ. रेड्डी को शुभकामनाएं दीं।

प्रजा सरकार के सफल 2 वर्षों पर सांसद साना सतीश बाबू ने दी बधाई, स्वर्णांध्र प्रदेश के निर्माण का जताया संकल्प

विजयवाड़ा, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने कहा कि आज का दिन एक ऐतिहासिक अवसर है, जब आंध्र प्रदेश के लोगों ने राज्य में अराजकता, भ्रष्टाचार और विनाशकारी नीतियों को समाप्त कर प्रजा सरकार (जनता की सरकार) की स्थापना की थी। इस ऐतिहासिक घटना को आज दो वर्ष पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप बनी गठबंधन सरकार पिछले दो वर्षों से पारदर्शी प्रशासन, विकास और जन कल्याण के तीन मुख्य लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने पिछली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले शासनकाल में राज्य आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक क्षेत्रों में पिछड़ गया था और लोकतांत्रिक मूल्यों को भारी ठेस पहुँची थी।

सांसद साना सतीश बाबू ने बताया कि वर्तमान सरकार ने सत्ता में आने के बाद राज्य

के पुनर्निर्माण को अपना मुख्य लक्ष्य बनाया और इसके लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। उन्होंने कहा कि सरकार बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के विकास, निवेश को आकर्षित करने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने, किसानों के कल्याण, महिला सशक्तिकरण और औद्योगिक विकास जैसे विषयों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।जनता के अटूट विश्वास को सरकार की मुख्य ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में सरकार राज्य को विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ''स्वर्णांध्र प्रदेश'' (स्वर्ण आंध्र प्रदेश) के लक्ष्य के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है।

राज्य के विकास और कल्याण के लिए सभी नागरिकों से भागीदार बनने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से आंध्र प्रदेश को देश का एक आदर्श राज्य बनाने के संकल्प के साथ सरकार काम कर रही है।साना सतीश बाबू ने अंत में संदेश देते हुए कहा, जनता के आशीर्वाद से बनी इस प्रजा सरकार के सफलतापूर्वक दो वर्ष पूरे होने पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता है। आइए, हम सब मिलकर विकास, कल्याण और सुशासन के माध्यम से स्वर्णांध्र के सपने को साकार करने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ें।

एसजीटी यूनिवर्सिटी में 'लोकायन राष्ट्रीय संशोधन परिषद-3' का भव्य शुभारंभ

गुरुग्राम, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुरुग्राम स्थित एसजीटी यूनिवर्सिटी में बुधवार को तीन दिवसीय 'लोकायन राष्ट्रीय संशोधन परिषद-3' का भव्य शुभारंभ हुआ। 4 से 6 जून तक आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य विषय भारतीय लोक संस्कृति में लोकनायक-लोकनायिकाओं की समाज के प्रति भूमिका एवं सामाजिक अवदान रखा गया है। यह सम्मेलन भारतीय लोक साहित्य, लोक संस्कृति तथा आदिवासी समाज के अध्ययन और विमर्श का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच बनकर उभरा है।

सम्मेलन के प्रथम दिवस कॉन्फ्रेंस हॉल में अपराह्न 4:30 बजे से 6 बजे तक दूसरे सत्र का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता डॉ. पुरुषोत्तम गुरनानी ने की, जबकि संचालन डॉ. हृषिकेश खिलारे ने किया।

इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, जिन पर विद्वानों एवं विशेषज्ञों ने विस्तृत चर्चा की।

शोधार्थी महेश अग्रवाल ने कोमरम भीम और 'जल, जंगल, जमीन' आंदोलन की समीक्षा : आदिवासी प्रतिरोध, अधिकार और समकालीन प्रासंगिकता विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों, संसाधनों पर उनके स्वामित्व तथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इस आंदोलन की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

डॉ. कृष्णा कुमारी ने हरियाणवी लोकगीतों में सामाजिक समरसता : एक विश्-लेषणात्मक अध्ययन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि हरियाणवी लोकगीत सामाजिक एकता, भाईचारे और सामुदायिक सौहार्द को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सम्मेलन में देशभर से आए विद्वान, शोधार्थी एवं साहित्यकार लोक संस्कृति, इतिहास, लोकनायकों और लोकनायिकाओं के सामाजिक योगदान पर अपने विचार साझा कर रहे हैं।

आयोजकों के अनुसार यह तीन दिवसीय सम्मेलन भारतीय लोक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और समाज निर्माण में लोकनायकों की भूमिका को गहराई से समझने का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रहा है।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है : जगत नारायण

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह, समर्पण और सेवा भावना के साथ जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया तथा समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद और असहाय लोगों की सहायता करना तथा समाज में सेवा, सहयोग और मानवता के मूल्यों को मजबूत बनाना रहा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप किसी प्रचार या

व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानकर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग निस्वार्थ भाव से एक मंच पर आकर सेवा कार्यों में योगदान देते हैं तो उसके सकारात्मक परिणाम दूर तक दिखाई देते हैं। आज राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नामपल्ली, बेगम बाजार और केबीआर पार्क सहित विभिन्न स्थानों पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं तथा सेवा का यह भाव निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ईश्वर की असीम कृपा, संत-महात्माओं के आशीर्वाद तथा सभी सदस्यों के सहयोग से ग्रुप लगातार अपने सेवा कार्यों का विस्तार कर रहा है। आने वाले समय में और अधिक स्थानों पर अन्नदान, जनसेवा तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

उन्होंने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक सदस्य अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देकर इस अभियान को मजबूत बना रहा है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, संजय गुप्ता, उमा डालमिया, अजय गुप्ता, भंवरलाल जी गुप्ता, काली गुप्ता, तृषा गुप्ता, आर.के. गोयल, श्रीमती चारूलता, साकेत गोयल एवं श्रीमती निशा सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया।

कुंडली बताती है साजन-सजनी का मिलन योग

दांपत्य जीवन बिखराव, अशांति, विदेशी पति या पत्नी, कष्टसाध्य दांपत्य संबंध, जीवन में ऐसी बहुत सी जटिलताएं हैं, जिनके बारे में हम जानना और हल चाहते हैं। ज्योतिष इन सबका सटीक उत्तर और हल बताता है। पति-पत्नी या जीवनसाथी अर्थात् ऐसे व्यक्ति जो एक बार मिलने के बाद कभी ना बिछुडने की कसमें खाते हैं और विवाह के समय ना केवल एक जन्म बल्कि सात जन्मों तक हर पल साथ जीने-मरने की बातें करते हैं। ज्योतिष से हमें संकेत मिल जाता है कि कौन व्यक्ति कब कहाँ होगा, कब दूर जाएगा या पास रहेगा, कब बिछुडेगा और पुनर्मिलन कब होगाा। इन परिस्थितियों के संकेत व्यक्ति की जन्मकुण्डली में मिलते हैं।

पति सुख या पत्नी सुख पूर्व जन्मके कर्मो का प्रतिफल होता है जो जन्मकुण्डली में ग्रहों के माध्यम से प्रकट होते हैं। जब हम परदेसी पिया की बात करते हैं तो हमें यह देखना होगा कि पति या पत्नी किसकी जन्मपत्रिका में परदेसी होने के योग हैं। अब हम उन योगों पर विचार कर रहे हैं जिनके होने पर किसी स्त्री के पतिदेव परदेस बसते हैं और स्त्री को तन्हाई, प्रतीक्षा और विरह अग्नि में जलना पडता है। पति की अनुपस्थिति या पति का परदेस में रहना स्त्री के लिए कष्ट होता है।

यही कारण है कि प्राचीनकाल के अधिकांश महाकाव्य, काव्य, खण्डकाव्यों की विषयवस्तु एवं संपूर्ण कथानक विरहणी की मनोदशा पर आधारित हैं। लग्नेश जब सप्तम भाव में स्थित हो तथा उस पर शुभ प्रभाव हो तो व्यक्ति विदेश जाता है और उसकी जीवन संगिनी पीछे रह जाती है। यदि पत्नी की जन्मपत्रिका के पंचम, द्वादश व नवम भाव बली हैं तो पत्नी भी कुछ समय पश्चात पति के साथ चली जाएगी अन्यथा उसके पति 'परदेसी पिया' हो जाएंगे। इस योग में व्यक्ति विदेश तो जाते ही हैं साथ ही वहां जाकर स्थाई रूप से रहते हैं।

जब किसी व्यक्ति की जन्मकुण्डली में सप्तम भाव का स्वामी द्वादश भाव में स्थित हो तथा लग्नेश से संबंध बनाता हो तो व्यक्ति की बार-बार विदेश यात्राएं होती हैं, ऐसा व्यक्ति विदेश में जाकर निवास तो नहीं करता है परंतु व्यापार आदि के प्रसंग में अधिकांश समय वह विदेश में रहता है, 'परदेसी बालम' बन जाता है, पत्नी को उनके जाने पर निरंतर उनके आने की प्रतीक्षा सताती है, यद्यपि ऐसे व्यक्ति विदेश से पर्याप्त धन कमा लेते हैं, परंतु इनका पारिवारिक सामंजस्य बिगड जाता है और कई बार तो ये पत्नी को भी खो बैठते हैं।

ऐसे योगों में लोकलाज, सामाजिक बंधन और पारिवारिक एवं कुटुंब की मर्यादा को उल्लंघन कर स्त्री परदेशी पिया से संबंध तोड लेती है अत: ऐसे योगों वाले व्यक्तियों को परदेशी व्यवसाय के साथ-साथ दांपत्य संबंधों के प्रति निरंतर सावधान और सजग रहने की आवश्यकता होती है। तृतीय भाव से छोटी, सप्तम से मध्यम दूरी की, नवम और एकादश भावों से लंबी दूरी की यात्राएं निर्धारित की जाती हैं।

परदेसी पिया के इन योगों की रचना महर्षियों ने उस समय की थी जब स्त्रियाँ सामाजिक दायरे में रहकर केवल परिवार की देखभाल का हिस्सा थीं और उन्हें देश, परदेश या विदेश जाकर आजीविका अर्जन की मनाही थी परंतु वर्तमान में स्त्रयाँ, पुरूषोचित्त गुणों और पुरूषोचित सुविधाओं की समान रूप से भोग्या हैं और वे देश, परदेश या विदेश कहीं भी आजीविका, नौकरी कर रही हैं।

आज के प्रजातांत्रिक युग में स्त्रियों को प्रत्येक क्षेत्र में समान अवसर प्राप्त हैं। आज विश्व, देश, राज्य, तहसील ग्राम के सभी शीर्ष पदों पर स्त्रियाँ पदासीन हैं और व्यावसायिक स्तर पर उनकी भागीदारी समान रूप से है अत: अब ये योग पिया और सजनी दोनों पर ही लागू होते हैं और परदेसी पिया के स्थान पर परदेसी सजनी भी कहना समुचित होगा।

किसी व्यक्ति की जन्मपत्रिका का चतुर्थ भाव और चतुर्थेश पीडित हों तो ऐसा व्यक्ति जन्मभूमि का त्यागकर परदेश चला जाता है और वहां जाकर बस जाता है परंतु ऐसे प्रसंगों में यह पाया जाता है कि व्यक्ति स्वयं ही नहीं अपितु उसका परिवार (पत्नी बच्चो आदि) सभी विदेश में जाकर जीवनयापन करने लगते हैं तथापि आरंभिक समय तो वह परदेस में अकेला ही रहता है। परदेस निवास अथवा आजीविका में नवम भाव और नवमेश की अहम् भूमिका रहती है।

यदि किसी व्यक्ति की जन्मकुण्डली में नवम भाव का स्वामी नवम भाव में ही स्थित होकर राहु से युति करे तो ऐसे व्यक्ति के पिता विदेश में ख्याति प्राप्त कर लेते हैं अर्थात् उनका विदेश से योग हो जाता है और व्यक्ति विदेश में स्थापित पिता की प्रतिष्ठा और व्यवसाय को संभालने लगता है, येन-केन-प्रकारेण उसे विदेश से जुडा रहना पडता है तथा ये भी परदेसी पिया बन जाते हैं। यदि द्वादशेश नवम भाव में आ जाएं तो व्यक्ति विदेश मे अपार संपदा का स्वामी हो जाता है अर्थात उसका भाग्य विदेश में फलीभूत होता है। संपदा की प्रभुता में भी व्यक्ति डूबा रहता है और परिजनों की परवाह नहीं करता।

आजकल ऐसी कई स्त्रियाँ भी देखने को मिलेंगी जो विदेश में निवास कर रही हैं और पति को भी वहां ही आकर रहने को विवश कर देती हैं अथवा देश में ही किसी अन्य राज्य में प्लेसमेंट लेकर भी पत्नी या पति विरह का कारण बन जाते हैं। जन्मपत्रिका में जब नवमेश, चतुर्थ भाव में, लग्नेश से युति करे तो भी व्यक्ति परदेस में रहता है और स्वदेश से जुडा रहता है। ऐसे व्यक्ति की पत्नी या पति भी परदेस के विरह की वेदना झेलते हैं, उन्हें उनका विलगाव खलता है। लग्नेश का अष्टम भाव से संबंध बन जाता है तो व्यक्ति समुद्रपार की यात्राएं करता है।

इसी प्रकार जब द्वादशेश लग्न में स्थित हो और षष्ठेश भी लग्न में द्वादशेश से युति करे तथा अष्टमेश भी पीडित हो तो व्यक्ति का विदेश या परदेश में जाकर बंधन योग हो जाता है। ऐसे व्यक्ति विदेश में किसी अपराध में फँसकर वहां कारावास भोगने लगते हैं अथवा वहां गंधर्व विवाह करके बंधन में बंध जाते हैं। जन्मपत्रिका में नवमेश-दशमेश यदि लग्नेश के साथ युति करें तो व्यक्ति परदेस में प्रतिष्ठित होता है। ऐसे व्यक्तियों को कई बार धर्मगुरू के रूप में अन्यत्र पूजित होते देखा जा सकता है अथवा ऐसे व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को धर्म या परार्थ में लगाकर प्रतिष्ठा अर्जित कर लेते हैं। योग भी हैं जब व्यक्ति परदेश या विदेश में आता-जाता रहता है :

यदि सूर्य अष्टम भाव में हों तो व्यक्ति एक देश से दूसरे देश में जाता रहता है। चमत्कार चिंतामणि के अनुसार यदि व्यक्ति की लग्न कुण्डली के चतुर्थ भाव में सूर्य हों तो वे विदेश में प्रतिष्ठा अर्जित करते हैं। इसी प्रकार जन्मकुण्डली में केन्द्र-त्रिकोण में चंद्रमा की स्थिति जल तत्व राशियों में हो तो व्यक्ति विदेश में व्यापार या नौकरी करता है परंतु वह अपने देश में भी आता रहता है। ऐसे व्यक्तियों को परदेसी पिया कहने में कोई संकोच नहीं रहता। यदि चंद्रमा से शुक्र 6, 8, 12 भावों में हो तो व्यक्ति विदेश से निरंतर संबंध बनाए रखता है।

सारावली के अनुसार राहु-केतु की जन्मपत्रिका के 7, 8, 9, 12 भावों में स्थिति विदेश यात्राओं के संकेत देती है। वृहत पाराशर होराशास्त्र के अनुसार राहु दशा में बृहस्पति अन्तर्दशा विदेश योग बना देती है और व्यक्ति को विवश होकर परदेश जाना ही पडता है। मानसागरी के अनुसार शुक्र की द्वादश भाव में स्थिति व्यक्ति को अवश्य विदेश या परदेश ले जाती है और यदि ऐसा योग स्त्री की जन्मपत्रिका में हो तो भी वह परदेसी सजनी बनी रहती है। शुक्र, मंगल की नवम भाव में युति व्यक्ति को द्विभार्या योग तथा परदेस निवास देती है।

जब शनि और बृहस्पति जन्मपत्रिका के नवम भाव में युति करते हैं तो व्यक्ति धर्म गुरू या उपदेशक बनकर परदेस या विदेस में प्रतिष्ठा अर्जित करता है ऐसे व्यक्तियों की पत्नी परदेसी पिया की वेदना सहती है। यदि किसी

कुण्डली में बुध चतुर्थ भाव में हों तो वह प्राय: विदेश या परदेश की यात्राएँ करता है परंतु यदि बुध दशम भाव में हों और चंद्रमा द्वादश भाव में हो तो व्यक्ति की निरंतर विदेश यात्राएँ होती रहती हैं।

वह व्यापारिक दृष्टिकोण से विदेश से जुडा रहता है। जन्मपत्रिका में अधिकांश ग्रह चर या द्विस्वभाव राशियों में स्थित हों तो व्यक्ति प्राय: विदेश जाकर बसते हैं। सभी योगों के होने के उपरांत भी व्यक्ति की देश, काल, परिस्थिति पर भी विचार अवश्य करना चाहिए।

राशि अनुसार चुनें पर्स का कलर

आपका पर्स और आपकी राशि

कभी तिजौरी का घर, दुकान आदि में बड़ा महत्व होता था क्योंकि वही एकमात्र धन को संग्रह करने का स्थान था। समय बीता और तिजौरी का स्थान धीरे-धीरे हटने लगा, परिणामस्वरूप आज तिजौरी बहुत कम यदा-कदा ही मिलती है। वास्तु में भी तिजौरी का वर्णन मिलता है।

पिछले कई वर्षों से पर्स का चलन बढ़ने लगा है और पर्स महिलाओं के हाथ में होना एक फैशन का रूप भी बन गया है। पुरुष वर्ग भी पर्स के बिना धन नहीं रखते। तिजौरी और पर्स में कोई विशेष अंतर नहीं रहा।

आपके पर्स का आकार, रंग आपके पर्स में रखे हुए सामान आपके जीवन में होने वाली छोटी से छोटी घटना के सूचक होते हैं। आइए जानते है इसके लाभ और हानि।

- मेष, सिंह और धनु राशि वाले अपना पर्स लाल या नारंगी रंग का रखें तो लाभ होगा।
- वृषभ, कन्या और मकर राशि वालों को भूरे रंग का पर्स तथा मटमैले रंग का पर्स बहुत फायदा पहुंचाएगा।
- मिथुन, तुला और कुंभ राशि वाले यदि नीले रंग व सफेद रंग का प्रयोग करते हैं तो मानसिक स्थिति के साथ-साथ धन के आगमन के रास्ते भी खुलेंगे।
- कर्क, वृश्चिक और मीन राशि को तो हमेशा हरा रंग और सफेद रंग का प्रयोग अपने पर्स में करना लाभदायक रहेगा।

धन प्राप्ति जब पाना हो, यह उपाय आजमाए...

अपार धन की प्राप्ति हर मनुष्य की चाहत होती है। लेकिन यह धन आपको सिर्फ चाहने भर से नहीं मिलने वाला। उसके लिए आपको मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना बहुत जरूरी है।

आइए कुछ आसान टिप्स अपना कर पाएं मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति और हो जाए धन-दौलत से समृद्ध...

- लाल धागे में सातमुखी रुद्राक्ष गले में धारण करने से धन की प्राप्ति होती है।
- सवा पांच किलो आटा एवं सवा किलो गुड़ लें। दोनों का मिश्रण कर रोटियां बना लें। गुरुवार के दिन सायंकाल गाय को खिलाएं। तीन गुरुवार तक यह कार्य करने से दरिद्रता समाप्त होती है।
- ॐ श्री ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मयै नम:। इस मंत्र की कमलगट्टे की माला से प्रतिदिन जप करने से ऋणमुक्ति होती है।
- मां लक्ष्मी की प्रतिमा के सामने 11 दिनों तक अखंड ज्योत (तेल का दीपक) प्रज्ज्वलित करें। 11वें दिन 11 कन्या को भोजन कराकर एक सिक्का व मेहंदी दें।

वास्तुदोष से बचने के कुछ खास उपाय

वास्तुदोष से बचाएंगे ये उपाय...

अगर आप स्थानाभाव की वजह से रसोईघर को स्टोर अथवा भंडारण कक्ष के रूप में इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं, तो ध्यान रखें ईशान व आग्नेय कोण के मध्य पूर्वी दीवार के पास के स्थान का उपयोग करें। चूल्हा या गैस आग्नेय कोण में ही रखें।

- वास्तुदोष से बचने के लिए ध्यान रखें कि दरवाजे व खिड़कियों की संख्या विषम न होने पाएं। इनकी संख्या सम यानी 2, 4, 6, 8 आदि रखें।
- घर में आंगन मध्य में ऊंचा तथा चारों ओर से नीचा होना चाहिए। यदि आपका आंगन वास्तु के अनुरूप न हो, तो उसे फौरन बताए गए तरीके से पूर्ण करवा लें। ध्यान रखें आंगन मध्य में नीचा व चारों ओर ऊंचा भूलकर भी न रखें।
- कोई भूखंड उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर विस्तृत हो तथा भवन का निर्माण उत्तरी भाग में हुआ हो तथा भूखंड का दक्षिणी भाग खाली पड़ा हो तो वास्तु में यह स्थिति अत्यंत दोषपूर्ण होती है।
- इस दोषपूर्ण स्थिति के चलते भूस्वामी को कष्टों तथा परेशानियों को झेलना पड़ता है। भूस्वामी को व्यापार में तथा कारोबार में हानि होती है। परिवार में तनाव का माहौल बना रहता है।
- इस स्थिति में वास्तु दोष से बचने के लिए भवन के दक्षिण-पश्चिम कोण यानी नैऋत्य कोण में एक आउट हाउस को मुख्य भवन से ऊंचा बनवाएं और उसके फर्श को भी भवन के फर्श से ऊंचा रखें। आउट हाउस के दक्षिण या पश्चिम दिशा में कोई भी द्वार न रखें।
- कभी-कभी ऐसा भी होता है कि मुख्य द्वार के ठीक सामने अंदर कोई दीवार हो। पर फिर भी उस पर आईना न लगाएं और दीवार पर ऊपर से नीचे तक गहराई का आभास देने वाला कोई प्राकृतिक दृश्य चित्र लगाएं। यह जंगल में दूर-दूर तक दिखाई देने वाली सड़क का चित्र भी हो सकता है।
- मुख्य द्वार के सामने अंदर की तरफ आईना लगाना गलत है। ऐसा करने पर घर के अंदर प्रवेश करने वाली ऊर्जा परावर्तित होकर द्वार से बाहर निकल जाती है।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्रथम पूज्य श्रीगणेश का महत्व

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं।

समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अत: सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है।

यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है।

हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं।

वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अत: उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है।

ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

कई बिमारियों में कारगार है ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल एक बहुत ही कारगर घरेलू उपाय है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण की मौजूदगी श्वसन तंत्र को सुचारू बनाने में फायदेमंद होती है। साथ ही यह दर्द को कम करने में मदद करता है। एक आधा छोटी चम्मच ऑलिव ऑयल में सामान मात्रा में शहद मिलाकर, सोने से पहले नियमित रूप से लें। गले में कंपन को कम करने और खर्राटों को रोकने के लिए नियमित रूप से इस उपाय का प्रयोग करें।

धूम्रपान से मुंह की बीमारियों का खतरा क्यों!

सिगरेट पीने से न सिर्फ़ कुछ जीवाणु मुंह में जमा हो जाते हैं, बल्कि वे शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर भी हावी हो जाते हैं, जिसके कारण मुंह संबंधी कई बीमारियां हो सकती हैं। ये जीवाणु दांत, हृदय वॉल्व और धमनियों में बायोफिल्म्स का निर्माण करते हैं। बॉयोफिल्म कई सारी सूक्ष्म जीवाणुओं से मिलकर बनी जटिल संरचना होती है। इसके कारण कई अन्य नई समस्याएं भी पैदा हो जाती है।

डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेने से हो सकती हैं ये बीमारियां

सिर में मामूली सा दर्द हुआ नहीं कि रीमा ने पैरासीटामॉल की गोली गटक ली। रीमा हीं नहीं बल्कि रीमा की तरह बहुत से लोग ऐसा हीं करते हैं। लोगों को सेल्फ मेडिकेशन एक आसान, सस्ता और कम समय में होने वाला उपाय लगता है। लेकिन कम समय में मिलने वाली राहत जल्द ही स्थायी आदत में तब्दील हो जाती है और शरीर कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। माना कि पैरासीटामॉल एक ऐसी दर्दनिवारक दवा है जिसे दर्द होने पर समान्य लोगों के साथ-साथ गर्भवती महिलाएं भी आसानी से ले लेती है। और अधिक नुक्सानदेह ना होने कारण भारतीय मेडीकल दुकानों पर यह दवा बिना डॉक्टर की स्लिप आसानी से ली जा सकती हैं। लेकिन डॉक्टरी सलाह के बिना मामूली बुखार से परेशान होने पर भी आप पैरासीटामॉल की गोली ले लेते हैं और ऐसा आप कई सालों से करते आ रहे हैं, तो सावधान हो जाये। क्योंकि हर बार मामूली से दर्द या बुखार में पैरासीटामॉल लेना फायदे से ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है। इसके अधिक इस्तेमाल से शरीर के कई अंगों को नुकसान हो सकता है। आइए जानें बिना डॉक्टर की सलाह के बिना पैरासीटामॉल लेना शरीर के लिए कैसे नुकसानदेह होता है। क्या आपने कभी भी दवा के पैकेट पर लिखा देखा हैं कि ज्यादा मात्रा में पैरासीटामॉल लेना लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। जीं हां डॉक्टरों का कहना है कि एक व्यक्ति को एक दिन में 3 ग्राम से ज्यादा पैरासीटामॉल नहीं लेनी चाहिए और अगर किसी कारणवश लेनी भी पड़े तो पहले अपने डॉक्टर से पूछ लेना चाहिए।

गर्भवती और बच्चों के लिए नुकसानदेहः आपको यह जानकर भी हैरानी होगी कि गर्भवती के लिए सुरक्षित मानी जाने वाली पैरासीटामॉल अगर बिना जांच के गर्भवती को दी जाती है तो सुरक्षित समझे जाने वाली पैरासीटामॉल की गोली गर्भ में पल रहे बच्चे के पूर्ण विकास में रुकवाट पैदा कर सकती है। नेशनल हेल्थ सर्विस के अनुसार गर्भवती को बिना डॉक्टरी सलाह के पैरासीटामॉल नही लेनी चाहिए।

किडनी पर असरः दर्द निवारक दवा के रूप में पैरासीटामॉल का लंबे समय तक सेवन करना बहुत हानिकारक है। बिना डॉक्टरी सलाह के पीठ दर्द के लिए इसे लेने पर यह लाभ के बजाए नुकसान पहुंचाती है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के शोधकर्ताओं के अनुसार आस्टियोआर्थराइटिस एवं पीठ दर्द को कम करने के लिए लोग पैरासीटामॉल का इस्तेमाल आसानी से करते हैं, पर इसका किडनी पर असर पड़ता है।

अस्थमा की समस्याः हल्का सा बुखार होने पर ही हम अपने बच्चे को पैरासीटामॉल देने लगते हैं। लेकिन कई शोधों से ये बात साबित हुई है कि 6-7 साल की उम्र में बच्चों को पैरासीटामॉल देने से उनके शरीर में अस्थमा के लक्ष्णों को बढ़ावा मिलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि बच्चों को 101.3 एस्न बुखार होने पर ही पैरासीटामॉल देनी चाहिए।

पेट में गैस की समस्या और त्वचा पर एलर्जी : कई मामलों में तो पैरासीटामॉल का अधिक सेवन पेट में गैस की समस्या पैदा कर सकता है। तो अगर आप अपच या पेट में भारीपन से परेशान हैं तो हो सकता है कि ऐसा पैरासीटामॉल के सेवन से हो रहा हो। इसके अलावा कुछ लोगों को पैरासीटामॉल के अधिक सेवन करने से त्वचा पर लाल चकत्ते और एलर्जी हो जाती है, जिसमें खुजली या जलन भी होती है।

लीवर को नुकसानः अगर आप पीलिया या लीवर संबंधी किसी समस्या से पीड़ित हैं, तो डॉक्टर की सलाह लिए बिना पैरासीटामॉल खाने से लीवर डैमेज हो सकता है। कई मामलों में लीवर फेलियर के भी चांस होते हैं। इसलिए दवा को लेने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

सुस्ती महसूस होनाः इसके अलावा कई बार पैरासीटामॉल लेने के बाद बहुत ज्यादा सुस्ती महसूस होती है। तो ऐसे में डॉक्टर से सलाह जरुर लें।

आंखों के दर्द से जुड़ी खास बातें

बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ये आदत भारी पड़ सकती है और इससे कई समस्याएं हो सकती हैं।

आंखों में दर्द के कारण

आंखे अनमोल हैं और शायद इसलिए ही ये शरीर का सबसे नाजुक और महत्वपूर्ण अंग हैं। आंखे जितनी अनमोल हैं, इनको देखभाल की भी उतनी ही जरूरत होती है। बहुत से लोग अपनी आंखों को लेकर बहुत ही लापरवाह होते हैं, और आंख में हल्के-फुल्के दर्द या समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन आपकी ये आदत भारी पड़ सकती है। तो आंखों के दर्द को नज़रअंदाज न करें और जानें कि आंख में क्यों दर्द हो रहा है।

ऊपरी सतह पर दर्द

कई बार आपकी आंख की ऊपरी सतह पर दर्द होता है, और आपको इससे आंख में जलन, और खुजली भी महसूस होती है। यह अक्सर तब होता है जब आपको आंख में कोई चोट लगी हो। इस तरह का दर्द होने पर आप डाक्टर की सलाह पर आई ड्राप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भीतरी भाग में दर्द

आंखों के भीतरी भाग में दर्द होने पर आप अपनी आंखों में स्पंदन और किरकिरेपन जैसा महसूस करते हैं। इस तरह की स्थिति तुरंत में डॉक्टर से मिले क्योंकि यह किसी गंभीर चोट की वजह से होने वाला दर्द हो सकता है।

गंदगी की वजह से होने वाला दर्द

धूल मिट्टी से होने वाले दर्द से आंखों में खुजली होती है और वे लाल हो जाती है। इससे बचने के लिए सबसे बढ़िया तरीका है आंखों पर ठंडे पानी की छिटे मार कर इन्हें धोएं। इससे आंखों की गंदगी साफ हो जाएगी। आंखों पर हाथ न लगाएं।

चोट की वजह से आंख में दर्द

चोट लगने पर आंखों को सबसे ज्यादा हानि पहुंचती है। आंखों में जलन या बहुत तेज दर्द होना, इसका सबसे पहला लक्षण होता है। यह बहुत तेज रोशनी या सूरज की किरणों से भी हो सकता है।

गुहेरी

यह आमतौर पर आंखों के अंदरुनी भाग के किनारों पर होती है। ये आंख में किसी फुंसी के हो जाने जैसा होता है। ऐसे में आंख बेहद संवेदनशील हो जाती है और इसकी वजह से थोड़ा दर्द भी महसूस हो सकता है। इसके इलाज का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसे छूएं नहीं, और अपने आप ठीक होने दें। बस आंख की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें।

कॉंटेक्ट लेंस के कारण

जब आप हर समय कांटेक्ट लेंस पहने रहते हैं और इसे समय-समय पर साफ नहीं करते हैं तो इससे आंखों में जलन होने लगती है और कभी-कभी दर्द भी होता है। पुराने या इक्स्पाइरी कांटेक्ट लेंस पहने से आपकी आंखों में संक्रमण भी हो सकता है।

ग्लूकोमा के कारण

ग्लूकोमा यानी काला मोतिया एक गंभीर नेत्र रोग होता है। यह धीमी गति से आंखों को हानि पहुंचने वाली बीमारी है, इससे आंखों की ऑप्टिक नर्व को नुकसान होता है और यदि समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो इससे आंखों की रोशनी भी जा सकती है।

उम्मीद की किरण है गर्भ प्रत्यारोपण

गर्भ प्रत्यारोपण उन हजारों महिलाओं के लिए उम्मीद की एक नई किरण है, जो गर्भधारण नहीं कर सकती। इस तकनीक के जरिए दूसरी महिला का गर्भ प्रत्यारोपित करके गर्भधारण कराया जाता है। यह उन महिलाओं के लिए वरदान की तरह है जो किसी बीमारी के कारण या गर्भ में समस्या के कारण मां बनने का सुख नहीं प्राप्त कर सकती हैं।

प्रत्यारोपण रहा सफल

गर्भ प्रत्यारोपण का प्रयास कई सालों से हो रहा है, लेकिन पहली बार सफलता प्राप्त की स्वीडन के चिकित्सकों ने। स्वीडन के डॉक्टरों ने अजूबा कर दिखाया। 36 साल की एक ऐसी महिला को मां बनने की खुशी दे दी, जिसके पास गर्भाशय ही नहीं था। यह मामला इसलिए भी खास है, क्योंकि दुनिया में पहली बार ऐसा हुआ है कि प्रत्यारोपित गर्भाशय से जन्म लेने वाला बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है।

पहले भी हुए प्रयास

इससे पहले भी गर्भाशय प्रत्यारोपण के जरिए कई प्रयास किए गए लेकिन कभी उन्हें शरीर ने स्वीकार नहीं किया तो उसे निकालना पड़ा तो कभी गर्भपात हो गया। 2000 में पहली बार सऊदी अरब में यूटरस ट्रांसप्लांट किया गया था। चार माह बाद ही महिला के शरीर ने ऑर्गन को रिजेक्ट कर दिया। आखिर उसे निकालना पड़ा। इसके बाद टर्की में कोशिश हुई। शरीर ने गर्भाशय तो स्वीकार कर लिया, लेकिन गर्भपात हो गया।

बच्चा है स्वस्थ

स्वीडन में पैदा हुआ बच्चा 1.8 किलो (3.9 पौंड) का है। प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ है। सात अन्य महिलाओं को भी इसी तरह यूटेरस ट्रांसप्लांट किए गए हैं। पांच अब भी गर्भवती हैं। डॉक्टर आशान्वित है कि जल्द ही और खुश-खबरें भी मिलेंगी।

समस्याएं भी आई

प्रत्यारोपित गर्भ से गर्भधारण के बीच में कई तरह की समस्याएं भी आईं। गर्भधारण के 31वें हफ्ते तक सबकुछ सामान्य रहा। इसके बाद महिला को हाई ब्लडप्रेशर से जुड़ी प्री-एक्लांपसिया बीमारी हो गई। बच्चे की हार्ट रेट भी असामान्य पाई गई। डॉक्टरों ने समय पूर्व डिलिवरी कराने का फैसला किया। लेकिन बाद में सबकुछ ठीक हो गया, लेकिन प्रसव सिजेरियन के जरिए हुआ।

महिला ब्रीमारी से ग्रस्त थी

जिस महिला को गर्भ प्रत्यारोपण के बाद मां बनाया गया वह रॉकिटांस्की जेनेटिक सिंड्रोम से पीड़ित थी। 4500 में से किसी एक महिला को यह बीमारी होती है। महिला जब 15 साल की हुई तो पहली बार उसे इसका पता चला। महिला को उसकी 61 साल की पारिवारिक मित्र ने अपना यूटेरस दान किया। चिकित्सक तब हैरान रह गए जब 61 साल की इस महिला की कोख गर्भधारण के लिए टेस्ट में दुरुस्त पाई गई, जबकि सात साल पहले उसका मेनोपॉज बंद हो चुका था। यह उन महिलाओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण की तरह है जो किसी परेशानी के कारण मां बनने में सफल नहीं हो पाती है।

किशमिश खाकर करें वजन कम

सूखे मेवे के सेवन से भी वजन को घटाया जा सकता है। इसमें किशमिश का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इस बारे में विस्तार से जानने के लिए ये पढ़े। किशमिश को सूखे मेवे का राजा कहा जाता है। किशमिश का सेवन सीधे तौर पर वजन घटाने के लिए नहीं होता है लेकिन शरीर को स्वस्थ रखने में इसकी बड़ी भूमिका होती है। किशमिश को उसके पोषण तत्वों और स्वास्थ्य लाभों के कारण हीरा माना जाता है। किशमिश खाने से ब्लड बनता है, वायु, पित्त और कफ दोष दूर होता है।

एनर्जी देता है

किशमिश में मौजूद शर्करा शरीर में आसानी से पच जाती है। नतीजनत् शरीर को शक्ति और स्फूर्ति प्राप्त होती है। किशमिश पूरी तरह से कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है। किशमिश में घुलनशील फाइबर बहुत अधिक मात्रा में होता है। यह घुलनशील फाइबर बुरे कोलेस्ट्रॉल का विरोध करता है। इसके अलावा किशमिश पोलीफेनोल्स एंजाइम को भी दबाता है जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल को अवशोषित के लिए जिम्मेदार होता है।

पाचन को ठीक रखता है

रोजाना किशमिश का सेवन करने से आपका हाजमा ठीक रहता है और पाचन तंत्र भी सुचारू रूप से कार्य करता है। किशमिश लैक्सटिव के रूप में कार्य करती है। यह पेट में जाकर पानी को अवशोषित करती है, जिसके फलस्वरूप कब्ज से राहत मिलती है। किशमिश में पाये जाने वाले फाइबर गैस्ट्रोइंटेस्टिनल मार्ग से विषाक्त और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत करता है

मोटे लोगो की हड्डियां कमजोर होती है। शरीर का ज्यादा वजन भी हड्डियों को कमजोर और दुर्बल बनाता है। अगर आप वजन कम कर रहे हो तो सारे आहार वजन कम करने वाले नहीं लेने चाहिए, ये तरीका आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको कुछ ऐसे आहार शामिल करने चाहिए जो आपको ऊर्जा दे सके। इसके लिए किशमिश सबसे बेहतर विकल्प है। अगर आप शक्कर बिल्कुल भी नहीं लेते हो तो भी किशमिश आपके शरीर में ग्लूकोज का स्तर बनाए रखती है। किशमिश कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

स्वस्थ रखता है

एक फिट व्यक्ति स्वस्थ रहता है। किशमिश सीधे तौर पर भले ही वजन कम करने में सहायक ना हो, लेकिन इससे मिलने वाले फासदे वजन को नियंत्रित करने में मदद करते है।

उदाहरण के तौर पर रोजाना किशमिश खाने वाले व्यक्ति को हृदय से जुड़ी परेशानियों का सामना कम करना पड़ता है। किशमिश आपके शरीर में पीएच स्तर को भी संतुलित रखता है। आवश्यक मात्रा में किशमिश का सेवन आपके इम्यूनिटी सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

रेसिपी

आलू कुरकुरे

सामग्री

1 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1/2 कप कटा हुआ पुदीना, 12 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून भुना हुआ ज़ीरा पाउडर, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, 5 टेबल-स्पून मैदा, 5 टेबल-स्पून पोहा , दरदरा क्रश किया हुआ, तेल, **परोसने के लिएः** स्वीट एण्ड सॉर सॉस

विधि

आलू, पुदीना, हरी मिर्च, ज़ीरा पाउडर, नींबू का रस और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के छोटे गोले बना लें। एक तरफ रखें। मैदा को थोड़े पानी के साथ मिलाकर गाढ़ा और मुलायम पेस्ट बनाकर एक तरफ रख दें। प्रत्येक आलू के बॉल को मैदा के पेस्ट में डुबोकर पोहे में अच्छी तरह से लपेट लें। एक गहरी कढ़ाई में तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े आलू बॉल डालकर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। स्वीट एण्ड सॉर सॉस के साथ गरमा गरम परोसें।

कॉर्न एंड वेजिटेबल रोटी

सामग्री

1 कप मकई का आटा, 1/2 कप कसी हुई फूलगोभी, 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप उबले , छिले और कसे हुए आलू, 2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक सवादअनुसार, मकई का आटा , तेल **परोसने के लिएः** ताज़ा दही, अचार

विधि

मकई के आटे को छानकर, सभी सामग्री मिलाकर, ज़रुरत हो उतना गुनगुना पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 7 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को थोड़े सूखे मकई के आटे का प्रयोग कर 125 एमएम। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और थोड़े तेल का प्रयोग कर प्रत्येक रोटी को दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। ताज़े दही और अचार के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

यह शिमला की आफत है

शिमला तेरे बाजुओं में कितना सुकून बचा, हम चल के बताएं या तेरे जख्म देखें। वकील सडक पर हों, तो अदालत न्याय कैसे देगी और कानून व्यवस्था सडक पर हो, तो शिकायत किससे करें। सोमवार के दिन हाई कोर्ट परिसर सडक पर बिफर गया, तो आवाजाही का तकाजा कांटों से भर गया। प्रदेश को अंदाजा ही नहीं कि हाई कोर्ट में कितने वकील हर दिन अपनी हाजिरी का सुकून सडक पर हारते हैं या मारामारी के आलम में पार्किंग में अपने वाहन की वजह ढूंढते हैं। पार्किंग की गुंजाइश में यह बावेला सरकार बनाम वकील नहीं होना चाहिए था, लेकिन शिल्ली चौक-छोटा शिमला को प्रतिबंधित सडक पर आकर सारा माहौल कुर्बान हो गया। दोनों पक्ष अपनी कत्तव्यपरायणता के परिचय में ड्यूटी का अमृत पीना चाहते हैं, लेकिन असंतुलित राजधानी का कवच टूट गया। पुलिस को प्रतिबंधित जमीन पर पार्क हुए वाहन हटाने थे, लेकिन इस बार वकील समुदाय ने विकल्प पूछ लिया या यह बता दिया कि यह आम नागरिक का भी हक है कि शिमला की बाहों में अपना अधिकार-अपनी सुविधा पूछे। जाहिर है एक ही शहर में दो मानदंड नहीं हो सकते। एक से परमिट पूछा जाए और दूसरा सरे राह गुजर जाए। यह शिमला की आफत है कि यहां वीआईपी होना एक शौक है या विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की जमात हर क्षण आम नागरिक को छोटा दिखाती है। वकीलों की जरूरत और जिद में फर्क ढूंढा जा सकता है। जरूरत यह कि हाई कोर्ट परिसर में पैरवी के सबूत जब कारगर होंगे, तो वकील मशगूल होंगे। अब शिमला का आचरण बदला और बदल गई है दिनचर्या की गति। अब अगर वीआईपी फुर्सत में हों, तो वाहनों की आजमाइश में माल रोड भी सिसक उठेगा। आखिरकार शिमला के वकील हैं तो शहर के ही पैरोकार। ये सफल हैं तो गाडियां भर-भर के अदालतों के बाहर तक आएंगी। सरकार को केवल यह करना है कि वकीलों के वाहनों को चैन से ठहरने की जगह दे दी जाए। इसके लिए प्रतिबंधित मार्गों के विकल्प चाहिएं और यह दिक्कत जिला स्तर के अदालती परिसरों में भी है। विडंबना यह भी है कि अदालतों को खुदा मानने वाले फरियादियों के पक्ष में कोई नहीं सोचता। हर अदालत परिसर में वकील और जज साहेबान महानुभाव हैं, लेकिन जो कानून की शरण में आते हैं, उनकी सुविधाओं की वकालत कभी नहीं होती। अगर हाई कोर्ट की अपीलों, सुनवाई चक्रों और कानूनी राहत की उम्मीदों से आए फरियादियों की गाडियों को भी पनाह देनी हो, तो सारा माहौल ही अव्यवस्थित हो जाएगा। अदालत परिसरों को भीड़ या शहरों के भीतर रखने के बजाय बाहर ले जाना होगा। पिछले चालीस सालों से हाई कोर्ट की स्थायी बेंच की मांग धर्मशाला के लिए हो रही है। अगर यह मांग पूरी हो जाए, तो बहुत सारे मामले और पैरवी करते वकील भी छंट जाएंगे। इतना ही नहीं शिमला को अपने पुराने नूर में बरकरार रखने के लिए समीपवर्ती वाकनाघाट में एक प्रशासनिक-कर्मचारी शहर के रूप में विकसित करना चाहिए ताकि कई कार्यालय, अदालतें तथा सरकारी आवास वहां स्थानांतरित किए जा सकें। यहां मसला वकील बनाम सरकार नहीं है, बल्कि शहरी विकास की जरूरतों व सुविधाओं का है। हम पहले भी कहते रहे हैं कि शिमला और आसपास के क्षेत्रों को 'स्टेट कैपिटल रीजन' के तहत विकसित करने की जरूरत है। समूचे हिमाचल को भी 'क्लस्टर सिटी प्लानिंग' के तहत विकसित करें ताकि दो या तीन शहर मिलकर सुविधाओं का विकास उपलब्ध जमीन को देख कर करें। हर शहर के लिए ट्रैफिक प्लान बनाते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि बढ़ते वाहनों का बोझ सडकों को ही संकरा न कर दे।

हाई कोर्ट परिसर सडक पर बिफर गया, तो आवाजाही का तकाजा कांटों से भर गया। प्रदेश को अंदाजा ही नहीं कि हाई कोर्ट में कितने वकील हर दिन अपनी हाजिरी का सुकून सडक पर हारते हैं या मारामारी के आलम में पार्किंग में अपने वाहन की वजह ढूंढते हैं। पार्किंग की गुंजाइश में यह बावेला सरकार बनाम वकील नहीं होना चाहिए था, लेकिन शिल्ली चौक-छोटा शिमला को प्रतिबंधित सडक पर आकर सारा माहौल कुर्बान हो गया। दोनों पक्ष अपनी कत्तव्यपरायणता के परिचय में ड्यूटी का अमृत पीना चाहते हैं, लेकिन असंतुलित राजधानी का कवच टूट गया। पुलिस को प्रतिबंधित जमीन पर पार्क हुए वाहन हटाने थे, लेकिन इस बार वकील समुदाय ने विकल्प पूछ लिया या यह बता दिया कि यह आम नागरिक का भी हक है कि शिमला की बाहों में अपना अधिकार-अपनी सुविधा पूछे। जाहिर है एक ही शहर में दो मानदंड नहीं हो सकते। एक से परमिट पूछा जाए और दूसरा सरे राह गुजर जाए। यह शिमला की आफत है कि यहां वीआईपी होना एक शौक है या विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की जमात हर क्षण आम नागरिक को छोटा दिखाती है। वकीलों की जरूरत और जिद में फर्क ढूंढा जा सकता है। जरूरत यह कि हाई कोर्ट परिसर में पैरवी के सबूत जब कारगर होंगे, तो वकील मशगूल होंगे। अब शिमला का आचरण बदला और बदल गई है दिनचर्या की गति। अब अगर वीआईपी फुर्सत में हों, तो वाहनों की आजमाइश में माल रोड भी सिसक उठेगा।

नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

ललित गर्ग

वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है।

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।राजनीतिक ब्लॉगिंग प्लेटफ़ॉर्म पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और

भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।राजनीति फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए। दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

देश दुनिया से

प्रकृति के बदलते मिजाज को लेकर गंभीरता जरूरी

महात्मा गांधी ने वर्ष 1928 में ही उत्पादन और खपत के पश्चिमी मॉडल के चलते वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय असंतुलन की चेतावनी देते हुए कहा था—'ईश्वर कभी नहीं चाहता कि भारत कभी पश्चिम की तरह औद्योगिकीकरण अपनाए।' साथ ही कहा था कि 'एक छोटे से द्वीप साम्राज्य (इंग्लैंड) के आर्थिक साम्राज्यवाद ने आज दुनिया को जंजीरों से जकड़ रखा है। यदि तीस करोड़ की आबादी वाले देश ने ऐसा आर्थिक शोषण किया तो पूरी दुनिया टिड्डियों की तरह बेकार हो जाएगी।' गांधीजी का मानना था कि देश को आज़ादी के बाद गरीबी दूर करने और लोगों के सम्मानजनक जीवनयापन की दृष्टि से आर्थिक विकास करना ही होगा। ऐसे में भारत को अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग में कहीं अधिक जिम्मेदारी दिखानी होगी और पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचाना होगा। दुखद है कि आज़ाद भारत की सरकारों ने गांधी के विचारों को पूरी तरह बिसरा दिया। परिणामस्वरूप, जहां मानव जीवन प्रभावित हुआ, वहीं संसाधनों पर कॉर्पोरेट घरानों के कब्जे से ग्रामीण और आदिवासी समाज बेदखली का शिकार हुआ। साथ ही औद्योगिक परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के कारण प्रदूषण की समस्या ने भयावह रूप ले लिया। इस तबाही के विरोध में देश में चिपको, नर्मदा और मछुआरों के आंदोलन सामने आए। इसके उपरांत देश में पर्यावरण मंत्रालय की स्थापना हुई और पारिस्थितिक नुकसान रोकने के लिए अनेक कानून बने। लेकिन सत्ता पर काबिज विभिन्न सरकारों ने समाज के व्यापक हित के बजाय निजी कॉर्पोरेट घरानों के हितों को सर्वोपरि मानकर उनके आगे झुकना उचित समझा। कॉर्पोरेट घरानों के निजी स्वार्थ के चलते प्रदूषित शहर, भयावह स्तर तक प्रदूषित वातावरण, मरती जीवनदायी नदियां, प्रदूषित जल, प्रदूषित वायु, गिरता भूजल स्तर, खत्म होते जलस्रोत व जंगल, प्रदूषित मिट्टी, बंजर होती जमीन आदि पर्यावरण विनाश और तबाही के स्पष्ट सबूत हैं। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसके बावजूद यह सिलसिला बेरोकटोक जारी है। वैश्विक स्तर पर देखें तो बीस वर्ष पहले हम सालाना आठ अरब मीट्रिक टन कार्बन वायुमंडल में छोड़ रहे थे, जिसका आंकड़ा बढ़कर आज डेढ़ गुणा से भी अधिक हो गया। इसके कारण धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। आज दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग की चर्चा जोरों पर है। प्रकृति का मिजाज बदल रहा है, और इसमें जलवायु परिवर्तन ने अहम भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक का कहना है कि दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरी करने के लिए

कोयला, तेल और गैस का अधिक इस्तेमाल हो रहा है। भारत के संदर्भ में ब्राउन टू ग्रीन रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन रोकने के भारत के प्रयास अभी भी नाकाफी हैं। भारत ने 2030 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 33-35 प्रतिशत तक कमी लाने का ऐलान किया था, लेकिन पेरिस समझौते के मुताबिक डेढ़ डिग्री के लक्ष्य के हिसाब से यह पर्याप्त नहीं है। देश को विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने उत्सर्जन लक्ष्य नए सिरे से तय करने की आवश्यकता है, अन्यथा 2095 तक धरती का तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। यदि कार्बन उत्सर्जन में कमी न आई तो जल संकट बढ़ेगा, बीमारियां बढ़ेंगी, खाद्यान्न उत्पादन में कमी आएगी, ध्रुवों की बर्फ तेज गति से पिघलेगी, समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ेगा। नतीजन, दुनिया के कई देश पानी में डूब सकते हैं। समुद्र किनारे बसे सैकड़ों शहर-महानगर जलमग्न होंगे, और लगभग 20 लाख से अधिक प्रजातियां सदा-सदा के लिए खत्म हो जाएंगी। वहीं, सदियों से जीवन के आधार रहे खाद्य पदार्थों के पोषक तत्व कम हो जाएंगे। विशेष रूप से बी-1, बी-2, बी-5 और बी-8 जैसी विटामिनों में कमी आएगी। बीमारियों से बचाने वाले जैव रसायनों में भी कमी आने की संभावना है। यदि पृथ्वी का तापमान और अधिक बढ़ गया तो धरती का एक-चौथाई हिस्सा रेगिस्तान में तब्दील हो जाएगा। वहीं 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे का शिकार होगा। नतीजतन, दुनियाभर में लगभग 150 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होंगे। जंगलों में आग की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि होगी। इसका सबसे ज्यादा असर भारत समेत दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण यूरोप, मध्य अमेरिका और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया पर पड़ेगा। चौंकाने वाली बात यह कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पहले बीते चार दशकों में कम हो चुकी उर्वरा शक्ति वाली जमीन की सेहत बिगड़ने की दर अब सौ गुणा बढ़ गई है। उस हालत में भविष्य में दुनिया की आबादी का पेट भरने के लिए अन्य संसाधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। आने वाले 24 वर्षों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, मध्यपूर्व और उत्तरी अफ्रीका को इस चुनौती का भीषण सामना करना पड़ेगा। इन क्षेत्रों में सदी के अंत तक तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच जाएगा। इसका असर खाद्यान्न, पेयजल और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ेगा। नतीजन आम आदमी का जीवन मुहाल हो जाएगा। प्रकृति के सारे उतार-चढ़ाव मानवता को संभलने के लिए चेतावनी हैं। पर्यावरण तेजी से बदल रहा है। लेकिन हम लोग इन्हें समझने और गंभीरता से लेने के बजाय नजरअंदाज कर रहे हैं। जरूरत इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास करने की है मसलन, जीवनशैली में बदलाव व प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाना। ताकि पूरी पृथ्वी और मानवता के साथ-साथ इस ग्रह पर रहने वाले तमाम जीव-जंतुओं को विनाश से बचाया जा सके।

आप का नज़रिया

अब असली-नकली तृणमूल

ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में बगावत हो गई है, लिहाजा पार्टी में टूट के पुख्ता आसार हैं। ममता ने मंगलवार को जहां 'प्रतीकात्मक धरना' दिया था, वहां तृणमूल के 80 नवनिर्वाचित विधायकों में से सिर्फ 7 ही पहुंचे। शेष 73 विधायक कहां थे? धरने से एक दिन पहले ममता बनर्जी ने विधायकों की बैठक बुलाई थी, लेकिन उसमें भी 20 विधायक ही पहुंचे। शेष 60 विधायक तब भी गायब थे, नतीजतन बैठक रद्द करनी पड़ी। धरने के वक्त समर्थकों की जो संख्या दिख रही थी, उससे ममता और तृणमूल के प्रति मोहभंग और अस्वीकार्यता स्पष्ट होती है। संसद के दोनों सदनों में तृणमूल कांग्रेस के 42 सांसद हैं, 80 विधायक हालिया चुनाव में जीत कर आए हैं और करारी पराजय के बावजूद 40 फीसदी से अधिक वोट तृणमूल को मिले हैं। इसके मद्देनजर पार्टी के अस्तित्व और समग्र स्वीकृति सरीखे सवाल नहीं उठाए जा सकते। सवाल यह मौजू है कि क्या तृणमूल कांग्रेस की नियति भी शिवसेना और एनसीपी जैसी हो सकती है? आज 'असली शिवसेना' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है। जिस एनसीपी को शरद पवार ने गठित किया था, सालों तक सींचा भी था, आज वह पार्टी उन्हीं की घरेलू बहू सुनेत्रा पवार (दिवंगत अजित पवार की पत्नी) के कब्जे में है। अजित शरद पवार के सगे भतीजे थे और वह ही अजित की राजनीति के 'चाणक्य' थे। अजित ने भाजपा से गठबंधन कर लिया और 'महायुति' की सरकार में उपमुख्यमंत्री बन गए। एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। अब उनकी पत्नी सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं और एनसीपी की प्रमुख भी हैं। हालांकि दोनों मामले शीर्ष अदालत के विचाराधीन हैं। ममता बनर्जी ने दो बागी विधायकों-ऋत्तब्रत बनर्जी और संदीपन साहा-को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उसके बाद पार्टी के भीतर विद्रोह और असंतोष गहरा गए हैं। चुनाव तक तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे रिजु दत्ता यहां तक दावा कर रहे हैं कि 80 में से 50 से अधिक विधायक टूटने नहीं, बल्कि पार्टी पर आधिपत्य और असलीपन का दावा ठोंकने पर आमादा हैं। ऐसे नेताओं की शिकायत है कि अब पार्टी में कोई भी नेतृत्व नहीं रहा। आई-पैक कंपनी पार्टी को धकिया रही है। ये नाराज विधायक स्पीकर (विधानसभा अध्यक्ष) से मिल कर साबित कर सकते हैं कि 65-70 फीसदी विधायक एकजुट हैं और ममता से अलग हैं, लिहाजा वे ही 'असली तृणमूल' हैं। उन्हें ऐसी मान्यता दी जाए। दावे तो यहां तक किए जा रहे हैं कि तृणमूल के 28 लोकसभा सांसदों में से अधिकतर पाला बदलने को तैयार हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अभी तक स्वीकृति नहीं दी है। हालांकि असंतुष्ट सांसदों को संकेत दिए गए हैं कि वे दो-तिहाई सांसदों का एक नया गुट तैयार करें, एक प्रस्ताव पर अधिकृत हस्ताक्षर कराएं और लोकसभा स्पीकर को दें। स्पीकर ही अंतिम निर्णय लेंगे। भाजपा उस गुट को समर्थन दे सकती है। प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार भाजपा को अभी दलबदल के लिए 'लालायित' नहीं होना चाहिए, क्योंकि बंगाल में ऐतिहासिक और प्रचंड जनादेश मिला है। बहरहाल बंगाल में तृणमूल के विधायकों में 'नेता प्रतिपक्ष' को लेकर घमासान मचा है, लिहाजा कुछ विधायकों ने स्पीकर से शिकायत की है कि नेता प्रतिपक्ष के लिए जिस शोभनदेव चट्टोपाध्याय का नाम भेजा गया होगा, उस प्रस्ताव पर उनके 'फर्जी हस्ताक्षर' किए गए हैं। सीआईडी इसकी जांच कर रही है और सांसद अभिषेक बनर्जी को भी 8 जून की पेशी का नोटिस भेजा गया है। बहरहाल गंभीर सवाल यह है कि क्या एक चुनाव हारने पर ही पार्टी में इस कदर बगावत हो सकती है कि दोफाड़ की नौबत आ जाए? वैसे ममता बनर्जी से तृणमूल कांग्रेस छीनना इतना आसान नहीं है।

ममता ने मंगलवार को जहां 'प्रतीकात्मक धरना' दिया था, वहां तृणमूल के 80 नवनिर्वाचित विधायकों में से सिर्फ 7 ही पहुंचे। शेष 73 विधायक कहां थे? धरने से एक दिन पहले ममता बनर्जी ने विधायकों की बैठक बुलाई थी, लेकिन उसमें भी 20 विधायक ही पहुंचे। शेष 60 विधायक तब भी गायब थे, नतीजतन बैठक रद्द करनी पड़ी। धरने के वक्त समर्थकों की जो संख्या दिख रही थी, उससे ममता और तृणमूल के प्रति मोहभंग और अस्वीकार्यता स्पष्ट होती है। संसद के दोनों सदनों में तृणमूल कांग्रेस के 42 सांसद हैं, 80 विधायक हालिया चुनाव में जीत कर आए हैं और करारी पराजय के बावजूद 40 फीसदी से अधिक वोट तृणमूल को मिले हैं। इसके मद्देनजर पार्टी के अस्तित्व और समग्र स्वीकृति सरीखे सवाल नहीं उठाए जा सकते। सवाल यह मौजू है कि क्या तृणमूल कांग्रेस की नियति भी शिवसेना और एनसीपी जैसी हो सकती है? आज 'असली शिवसेना' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है। जिस एनसीपी को शरद पवार ने गठित किया था, सालों तक सींचा भी था, आज वह पार्टी उन्हीं की घरेलू बहू सुनेत्रा पवार (दिवंगत अजित पवार की पत्नी) के कब्जे में है। अजित शरद पवार के सगे भतीजे थे और वह ही अजित की राजनीति के 'चाणक्य' थे। अजित ने भाजपा से गठबंधन कर लिया और 'महायुति' की सरकार में उपमुख्यमंत्री बन गए। एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। अब उनकी पत्नी सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं और एनसीपी की प्रमुख भी हैं। हालांकि दोनों मामले शीर्ष अदालत के विचाराधीन हैं। ममता बनर्जी ने दो बागी विधायकों-ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा-को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

कुछ अलग

तासीर बदलने की उम्मीद

बदलाव लाओ। हमारी हालत बदलो। हमें ऐसी शिक्षा दो जो इस बदलते हुए कम्प्यूटर, यन्त्रीकरण और डिजिटल जमाने में किसी काम भी आए। यह न हो कि इस बदलते युग में नए निपुण कामगार तो हमें मिलें नहीं। इनकी आसामियां, नौकरियां खाली रहें। उनके लिए हार कर रोबोट युग लाने की कल्पना की जाए। आदमी के हाथ की जगह स्वचालित मशीनें लें। आदमी की मौलिक अन्वेषक बुद्धि की जगह बनावटी बुद्धि और चेतना ले, लेकिन अगर सब कुछ इस्पाती बना, उसे यन्त्रीकरण कर दोगे, तो आपकी संवेदना किस कतार में दम तोड़ती नजर आएगी। उपेक्षित कतार? क्या लगातार बढ़ती हुई उस राहत और रियायत संस्कृति में जहां हाथ हिलाये बिना पेट भर जाए, अच्छा ओढने-बिछौने की भावना पलती रहे, और आदमी तप-तपस्या, साधना और अध्यवसाय की जगह शार्ट कट की पतली गलियां तलाशने लगे? नजर आता है, एक दौड़ लगती है देश के कर्णधारों में नवनिर्माण की नहीं, उसके नाम पर तो अधूरी सडक़ें मिलती हैं, और बीच में छोड़ दिए गए अधबने पुल। आज उसकी जगह सपनों के ताजमहल नहीं, ताश महल खड़े किए जा रहे हैं, जो कब खड़े हुए, और किस फूंक से गिर गए, कुछ पता ही नहीं चला। कभी कहा जाता था, 'फूंकों से चिराग बुझाया न जाएगा।' अब न तो चिराग जलते हैं, और न उनकी रौशनी सुरक्षित रखने के लिए नया खून कटिबद्ध होते नजर आता है, बल्कि यहां तो फूंक अब एक दूसरे के कानों में मारी जाती है। उसकी कटुता फुसफुसाती नहीं, सारे माहौल में फैल जाती है। जहर फैलता है तो उसे काटने के लिए किसी अमृत की तलाश नहीं होती, बल्कि उसे काटने के लिए अधिक जहर फैलाया जाता है।

दृष्टि कोण

हरियाली बचेगी, तो खुशहाली भी बचेगी

प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा शुरू किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन का अवसर नहीं है, बल्कि पृथ्वी और मानव जीवन के भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का स्मरण भी कराता है। पर्यावरण संरक्षण किसी एक देश, सरकार या संस्था का विषय नहीं रह गया है। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बन चुका है। वर्तमान समय में पर्यावरणीय संकट के आंकड़े चिंताजनक हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार वर्ष 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष दर्ज किया गया, जब वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर की तुलना में लगभग 1.55 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो सूखा, बाढ़, हीटवेव और अन्य प्राकृतिक आपदाएं और अधिक विनाशकारी रूप ले सकती हैं। प्लास्टिक प्रदूषण भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। वर्तमान में दुनिया में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जबकि इसका केवल लगभग 9 प्रतिशत ही पुनर्चक्रित हो पाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार हर साल 80 लाख से 1 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा समुद्रों में पहुंच जाता है। 1950 के दशक से अब तक 8.3 अरब टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन हो चुका है, जिसका अधिकांश हिस्सा आज भी कचरे के रूप में धरती पर मौजूद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया की लगभग 99 प्रतिशत आबादी ऐसी हवा में सांस ले रही है जो स्वास्थ्य मानकों पर खरी नहीं उतरती है। वायु प्रदूषण के कारण हर वर्ष 70 लाख से अधिक लोगों की असमय मृत्यु होती है। भारत में भी लाखों लोग प्रदूषित वायु के कारण श्वसन, हृदय और अन्य गंभीर बीमारियों का सामना कर रहे हैं। जल प्रदूषण की स्थिति भी चिंताजनक है। देश के अनेक नदी निगरानी केंद्रों पर जल गुणवत्ता मानकों से नीचे पाई गई है, जिससे मानव स्वास्थ्य और जलीय जीवन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। ग्लोबल फॉरेस्ट

वॉच के अनुसार वर्ष 2023 में दुनिया ने हर मिनट में लगभग 10 फुटबॉल मैदान के बराबर वन क्षेत्र को खोया है। भारत का वन क्षेत्र कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 21.71 प्रतिशत है। शहरीकरण, सडक़ निर्माण, खनन और अन्य विकास गतिविधियों के कारण वनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसके परिणामस्वरूप जैव विविधता प्रभावित हो रही है और प्राकृतिक संतुलन कमजोर पड़ रहा है। हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय राज्यों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। बादल फटना, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और अनियमित वर्षा जैसी घटनाओं में वृद्धि हुई है। वर्ष 2023 और 2025 में प्रदेश में अनेक प्राकृतिक आपदाओं के कारण बड़ी जन-धन हानि हो चुकी है। कोरोना महामारी के दौरान जब मानवीय गतिविधियां सीमित हुईं, तब प्रकृति में उल्लेखनीय सुधार भी देखने को मिला था। कई शहरों में वायु गुणवत्ता बेहतर हुई, नदियों का जल अधिक स्वच्छ दिखाई दिया और वन्यजीवों की गतिविधियों में वृद्धि दर्ज की गई थी। इससे यह स्पष्ट हुआ कि प्रकृति में स्वयं को पुनर्जीवित करने की अद्भुत क्षमता है, आवश्यकता केवल उसे पर्याप्त अवसर देने की है। समाधान भी हमारे दैनिक जीवन में ही छिपा हुआ है। यदि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे पर्यावरण अनुकूल कदम उठाए, तो बड़ा परिवर्तन संभव है। सिंगल-यूज प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े या जूट के थैले अपनाना, स्टील की बोतलों का उपयोग करना, जल और बिजली की बचत करना तथा कचरे का पृथक्करण करना, सरल लेकिन प्रभावी उपाय हैं।

बीसीसीआई बैठक में होगा सूर्यकुमार की कप्तानी पर फैसला, वैभव को शामिल करने पर भी होगा विचार

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समित की बैठक इस शनिवार को होने जा रही है। इसमें अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति कप्तान सूर्यकुमार यादव के भविष्य को लेकर फैसला करेंगी। इस बैठक में तय होगा कि सूर्या आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैचों के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों में कप्तान रहेंगे या नहीं। इसके अलावा इसी बैठक में सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीमों का चयन किया जाएगा। इस बैठम में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टी20 टीम में शामिल किये जाने पर भी बात होगी।

जहां तक सूर्यकुमार की कप्तानी की बात है। पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। आईपीएल में भी वह रनों के लिए जूझते दिखे। ये सही है कि उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप जीतकर उसे बरकरार रखा पर इसमें उनका योगदान बेहद कम रहा। सूर्यकुमार की कमजोर बल्लेबाजी लगातार निशाने पर रही। का आईपीएल 2026 में, उन्होंने 13 पारियों में केवल 270 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 20.76 और स्ट्राइक रेट 147.54 का रहा है। वहीं टी20 विश्व कप में वह नौ पारियों में 242 रन बना पाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट गिरकर 136.72 तक पहुंच गया। सूर्यकुमार का नाम एशियन गेम्स के लिए घोषित 30 संभावित नामों में भी शामिल नहीं हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या चयनकर्ता आने वाली कुछ सीरीज के लिए किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी का मौका देंगे, या सूर्यकुमार को अनुभव के लिए केवल एक खिलाड़ी के तौर पर टीम में बनाए रखा जाएगा, खासकर जब उन्होंने 2028 ओलंपिक में खेलने की इच्छा जताई है। दूसरी ओर, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने पहले पूरे आईपीएल सत्र में अपनी बल्लेबाजी से सबको प्रभावित किया है। वैभव की क्वालीफायर मुकाबलों में खेली गयी पारी से भी चयनकर्ता काफी प्रभावित हुए हैं। अब देखना होगा कि उन्हें अंतिम ग्यारह में कैसे शामिल किया जाए क्योंकि अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन अच्छे प्रदर्शन के कारण पहले से ही टीम में शामिल हैं! वहीं मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए, श्रेयस अय्यर और रजत पाटीदार दोनों ही मजबूत दावेदार हैं। पिछले दो आईपीएल सीजन में दोनों ने अपनी टीमों की शानदार कप्तानी की है। पाटीदार ने इस सत्र में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जिताया है जबकि श्रेयस ने 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया था।

न्यूज़ ब्रीफ

आईसीसी प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश दौरे में शासन और चुनावी मामलों पर हितधारकों से की चर्चा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में बांग्लादेश का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से जुड़े प्रशासनिक और चुनावी मामलों में हुए हालिया घटनाक्रमों की समीक्षा करना था। इस प्रतिनिधिमंडल में आईसीसी बोर्ड निदेशक डा. मोहम्मद एएस मूसाजी (क्रिकेट साउथ अफ्रीका) और तावेंगा मुकुहलानी (जिम्बाब्वे क्रिकेट) शामिल थे। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न हितधारकों के साथ बैठकें कर स्थिति का आकलन किया। आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि प्रतिनिधिमंडल अपनी रिपोर्ट और टिप्पणियां उचित समय पर आईसीसी बोर्ड को सौंपेगा। साथ ही आईसीसी ने यह भी कहा कि इस मामले पर प्रतिनिधिमंडल की ओर से कोई सार्वजनिक या मीडिया टिप्पणी नहीं की जाएगी। आईसीसी के अनुसार दौरे को लेकर मीडिया में चल रही रिपोर्टें, चर्चाएं या दावे केवल अटकलें हैं और उन्हें आईसीसी का आधिकारिक रुख नहीं माना जाना चाहिए।

फ्रेंच ओपनः चोटिल बेरेटिनी के हटने से अर्नाल्डी पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम

सेमीफाइनल खेलना सुनिश्चित कर लिया। बुधवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में उन्हें हमवतन मातेओ बेरेटिनी के चोट के कारण मुकाबले से हटने का फायदा मिला। मुकाबले के समय अर्नाल्डी 7-5, 5-2 से आगे चल रहे थे, तभी बेरेटिनी ने चोट के चलते मैच छोड़ने का फैसला किया। दूसरे सेट के शुरुआती खेलों के दौरान उन्हें कूल्हे में परेशानी महसूस हुई और उन्होंने चिकित्सकीय सहायता भी ली। इसके बाद विश्राम के दौरान अपने सहयोगी दल की सलाह पर उन्होंने मुकाबले से नाम वापस ले लिया। विश्व रैंकिंग में 104वें स्थान पर मौजूद अर्नाल्डी ने इस टूर्नामेंट में शानदार संघर्ष दिखाया है। क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने के दौरान उन्होंने कोर्ट पर कुल 17 घंटे 42 मिनट बिताए।अब सेमीफाइनल में उनका सामना एक और इतालवी खिलाड़ी फ्लावियो कोबोली से होगा। इससे यह तय हो गया है कि रविवार को होने वाले पुरुष एकल फाइनल में एक इतालवी खिलाड़ी जरूर पहुंचेगा। विश्व नंबर एक और पिछले वर्ष के उपविजेता यानिक सिनर के शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद इटली के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। मैच के बाद अर्नाल्डी ने कहा, यह मुश्किल स्थिति है। हम दोनों ने काफी लंबे मुकाबले खेले थे, इसलिए सर्वश्रेष्ठ स्तर पर खेलना आसान नहीं था। लेकिन कोई भी नहीं चाहता कि किसी खिलाड़ी का टूर्नामेंट इस तरह खत्म हो। उन्होंने आगे कहा, इटली में टेनिस लगातार आगे बढ़ रहा है। मुझे उम्मीद है कि बेरेटिनी जल्दी फिट होकर वापसी करेंगे। घास के कोर्ट का सत्र जल्द शुरू होने वाला है और वह वहां मजबूत खिलाड़ी साबित होंगे।

क्रिकेट में अब भी भ्रष्टाचार और फिक्सिंग जारी, आईपीएल में ऐसा नहीं : ललित मोदी

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने कहा कै कि क्रिकेट में भ्रष्टाचार और मैच फिक्सिंग अब भी समाप्त नहीं हुई। ललित मोदी के अनुसार आजकल इसमें इतनी जटिलताएं हैं कि फिक्सिंग का पता लगाना और इसको पकड़न बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने हालांकि कहा कि आईपीएल में ऐसा नहीं है क्योंकि ये इतना फायदेमंद हो गया है कि कोई भी अपने फिक्सिंग कर अपना नुकसान नहीं करना चाहेगा। उन्होंने कहा, क्रिकेट में फिक्सिंग हो रही है। यह अब बहुत ही मुश्किल स्तर पर पहुंच गई है। आईपीएल में ऐसा है या नहीं, मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता, लेकिन मैं नहीं जानता। और मैं आपको बता भी नहीं सकता क्योंकि सच में मुझे जानकारी नहीं है। पर मुझे भरोसा है कि यह हर जगह मौजूद है। मोदी ने कहा कि दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से मिली धमकियां के कारण ही वह आईपीएल से अलग हुए थे। साथ ही कहा कि कि मैच फिक्सिंग के लिए तैयार नहीं होने पर भी उनके खिलाफ तीन बार हमले के प्रयास किये गये। उन्हें कहा गया था कि अगर वह इस मैच फिक्सिंग का विरोध नहीं करते हैं तो उन्हें मोटी रकम दी जा सकती है पर उन्होंने इस राशि को ठुकरा दिया था। उन्होंने आईपीएल के शुरुआती तीन सालों में फिक्सिंग के सभी प्रयासों को विफल कर दिया था। इससे अंडरवर्ल्ड और सट्टेबाजी नेटवर्क उनसे नाराज हो गए थे। आईपीएल-2 को दक्षिण अफ्रीका ले जाने के उनके फैसले से भी सट्टेबाजों को नुकसान हुआ था हुआ, इसी करण उनके घर के बाहर गोलीबारी हुई।

कुसल की कप्तानी में श्रीलंका की शानदार शुरुआत पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 41 रन से हराया

किंगस्टन

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के पहले एकदिवसीय मुकाबले में बुधवार देर रात दमदार प्रदर्शन करते हुए 41 रन से जीत दर्ज की। कप्तानी में वापसी कर रहे कुसल मेंडिस ने शानदार अर्धशतक जड़ा, जबकि गेंदबाजों ने लक्ष्य का सफल बचाव करते हुए टीम को जीत दिलाई।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत थोड़ी सतर्क रही, हालांकि पथुम निसांका को शुरुआती जीवनदान मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। दूसरे छोर पर कुसल मेंडिस ने शुरुआत में समय लिया, लेकिन फिर तेजी से रन बनाते हुए पारी को गति दी।

कुसल ने विशेष रूप से स्पिनर गुडाकेश मोती पर हमला बोला और लगातार बड़े शाट लगाए। उन्होंने 62 गेंदों पर 72 रन की तेज पारी खेली। कुसल और निसांका के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी ने श्रीलंका को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। निसांका ने 79 रन बनाए जबकि मध्यक्रम में चरिथ असलंका ने 45 और जनिथ लियानागे ने नाबाद 44 रन जोड़कर टीम को 50 ओवर में 303/7 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने तेज शुरुआत की। जान कैंपबेल और जस्टिन ग्रीव्स ने शुरुआती ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन रन आउट ने टीम की लय तोड़ दी। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाया। महीश तीक्षणा ने ग्रीव्स को आउट कर वापसी कराई, जबकि वानिंदु हसरंगा ने अहम विकेट लेकर मध्यक्रम को झटका दिया। कप्तान शाई होप ने संघर्ष करते हुए 56 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का पर्याप्त साथ नहीं मिला। अंत में दुष्मंथा चमीरा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और वेस्टइंडीज की पूरी टीम 49.2 ओवर में 262 रन पर सिमट गई।

संक्षिप्त स्कोर:

श्रीलंका - 303/7 (50 ओवर)
पथुम निसांका 79, कुसल मेंडिस 72; मैथ्यू फोर्ड 2/44

वेस्टइंडीज - 262 (49.2 ओवर)
शाई होप 56; दुष्मंथा चमीरा 4/67, महीश तीक्षणा 2/26

परिणाम: श्रीलंका 41 रन से विजयी।

44 की उम्र में क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट से वापसी कर रही सेरेना

न्यूजर्सी। अमेरिकी की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स 44 साल की उम्र में एक बार फिर टेनिस कोर्ट में वापसी करने जा रही हैं। सेरेन ने अपनी अंतिम टूर्नामेंट चार साल पहले 2022 में खेला था यूएस ओपन 2022 में अपना आखिरी पेशेवर एकल मैच खेलने के बाद से ही सेरेना खेल से दूर हैं हालांकि उन्होंने अधिकारिक रुप से संन्यास की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह बेहतर होने के लिए खेल से दूर हुई है। वहीं अब सेरेना ने 8 जून से लंदन में होने वाले क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में खेलने की घोषणा की है। ये विंबलडन के लिए अभ्यास टूर्नामेंट माना जाता है। सेरेना की वापसी की घोषणा के बाद से ही उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। सेरेना के नाम ओपन युग में महिला एकल में रिकार्ड 23 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। सेरेने ने अमेरिकी ओपन 2022 को अपना अंतिम टूर्नामेंट बताया था, यह कहते हुए कि वह खेल से दूर एक नए अध्याय की शुरुआत करना चाहती हैं। हालांकि, उन्होंने संन्यास की घोषणा नहीं की थी जिससे उनकी वापसी की अटकलें हमेशा बनी रहीं। सेरेना अमेरिकी ओपन में तब तीसरे दौर में हार गई थीं हालांकि अब वह एक बार फिर कोर्ट पर वापसी के लिए तैयार हैं जो उनके भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर विराम लग गया है। क्वींस क्लब में अपनी वापसी की घोषणा करते हुए, विलियम्स ने कहा, क्वींस क्लब इस नए अध्याय की शुरुआत के लिए एकदम सही जगह लगती है। घास के कोर्ट ने मुझे मेरे करियर के कुछ सबसे यादगार पल दिए हैं, और मैं खेल के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में से एक पर वापस प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्साहित हूं। क्वींस क्लब नामी ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट है जो 8 से 21 जून तक चलेगा। इससे उन्हें 29 जून से शुरू होने वाले विंबलडन के लिए लय हासिल करने का अवसर मिलेगा। यह संभावना है कि सेरेना को टूर्नामेंट में एकल या युगल दोनों के लिए वाइल्ड-कार्ड से प्रवेश मिल सकता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वह किस प्रारूप में खेलना पसंद करती हैं। उनकी अगली योजना में अमरेकी ओपन में वापसी भी शामिल हो सकती है, वहीं विश्व की पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट का मानना है कि सेरेना का लक्ष्य अमेरिकी ओपन हो सकता है।

सैफ महिला चैम्पियनशिपः भारत ने भूटान को हराकर फाइनल में बनाई जगह, अब बांग्लादेश से होगी भिड़ंत

मडगांव (गोवा)

पांच बार की चैम्पियन भारतीय महिला फुटबाल टीम ने सैफ महिला चैम्पियनशिप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में बुधवार रात भूटान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना मौजूदा चैम्पियन बांग्लादेश से शनिवार को पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा।

ग्रुप चरण में दो मैचों में 14 गोल करने वाली भारतीय टीम से एकतरफा प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन भूटान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए मुकाबले को कड़ा बनाए रखा। लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची भूटान की टीम ने भारतीय आक्रमण को लंबे समय तक रोके रखा।

फीफा रैंकिंग में 69वें स्थान पर मौजूद भारत ने अधिकांश समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में गोल नहीं कर सका। करिश्मा, सौम्या गुगुलोथ और अवेका सिंह ने मौके बनाए, लेकिन खराब फिनिशिंग और भूटान की गोलकीपर के शानदार प्रदर्शन के कारण मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा।

भूटान ने भी जवाबी आक्रमण में कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। दूसरे हाफ में लगातार दबाव का फायदा भारत को 60वें मिनट में मिला, जब सनफिदा नोंगरुम ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। यही गोल अंत में निर्णायक साबित हुआ।

इसके बाद मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने मनीषा कल्याण और प्यारी जाक्षा जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा, लेकिन भारत बढ़त नहीं बढ़ा सका। दूसरी ओर भूटान ने अंत तक संघर्ष जारी रखा और भारतीय रक्षा पंक्ति को चुनौती देती रही। हालांकि, अतिरिक्त समय तक मुकाबला ले जाने के लिए जरूरी गोल भूटान नहीं कर सकी और भारत ने 1-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की कर ली। भारत अब 2019 के बाद पहली बार सैफ महिला चैम्पियनशिप का खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर है। इससे पहले पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश ने नेपाल को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी बार फाइनल में प्रवेश किया। बांग्लादेश ने 2022 और 2024 संस्करण भी अपने नाम किए थे।

चीन में बॉलीबाल नेशनल लीग

चीन में बॉलीबाल नेशनल लीग में महिलाओं के पूल 3 मैच में चेक गणराज्य के साथ खेलती हुई मेजबान टीम।

फ्रेंच ओपन में कोबोली का कमाल, पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस

इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली ने फ्रेंच ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल हासिल कर लिया। रोलां गैरो में खेले गए पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के चौथी वरीयता प्राप्त फेलिक्स आगर-एलियासिमे को चार सेटों में 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। 24 वर्षीय कोबोली ने पहला सेट गंवाने के बाद दमदार वापसी की और लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

यह उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा ग्रैंड स्लैम परिणाम है। जीत के बाद उन्होंने कहा कि यह सप्ताह उनके जीवन का सबसे यादगार सप्ताह बन गया है।

मुकाबले की शुरुआत में तेज हवा के कारण दोनों खिलाड़ियों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। पहला सेट हारने के बाद कोर्ट की छत बंद किए जाने के साथ ही कोबोली की लय लौट आई। उन्होंने आक्रामक फोरहैंड और बेहतरीन फुटवर्क के दम पर मैच का रुख पलट दिया।

इस जीत के साथ कोबोली ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में शीर्ष-10 रैंकिंग वाले खिलाड़ी को हराने का कारनामा भी किया। लाइव एटीपी रैंकिंग में वह 14वें स्थान से उछलकर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

सेमीफाइनल में उनका मुकाबला अब इटली के ही मैटियो बेरेटिनी और मैटियो अर्नाल्डी के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल विजेता से होगा। इससे यह तय हो गया है कि पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में एक इटालियन खिलाड़ी जरूर पहुंचेगा।

कोबोली की इस उपलब्धि ने इटली के टेनिस इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। यह तीसरा अवसर है जब किसी ग्रैंड स्लैम के पुरुष वर्ग में दो इटालियन खिलाड़ी सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं। साथ ही, पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में पूरी तरह इटालियन पुरुष सेमीफाइनल सुनिश्चित हुआ है।

उल्लेखनीय है कि फ्रेंच ओपन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले आखिरी इटालियन खिलाड़ी एड्रियानो पनाटा थे, जिन्होंने 1976 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब कोबोली के पास लगभग पांच दशक बाद इटली को फिर से रोलां गैरो का चैंपियन बनाने का अवसर है।

कमिंस अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सभी बड़े मुकाबलों में उपलब्ध रहेंगे

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस ने उम्मीद जताई है कि वह अगले 12 महीनों में टीम के सभी बड़े मुकाबलों में उपलब्ध रहेंगे, लेकिन उन्होंने माना कि आस्ट्रेलिया की प्रमुख तेज गेंदबाजी तिकड़ी के लिए पूरे कार्यक्रम में लगातार खेलना आसान नहीं होगा।

पीठ की चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद कमिंस ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की थी। वापसी के बाद उन्होंने अपनी फिटनेस को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं।

कमिंस ने महिला टी-20 विश्व कप 2026 के प्रसारण से जुड़े अमेज़न प्राइम वीडियो के एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान कहा कि उनकी फिटनेस रिपोर्ट पूरी तरह सामान्य आई है और अब उनका ध्यान टेस्ट क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने पर है। उन्होंने कहा कि अगला लक्ष्य एक दिन में लंबा गेंदबाजी स्पेल करने और अगले दिन फिर उसी स्तर पर खेलने की क्षमता हासिल करना है।

आस्ट्रेलिया के लिए आने वाला एक वर्ष बेहद व्यस्त रहने वाला है, जिसमें टीम अधिकतम 21 टेस्ट मैच खेल सकती है। इस दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला, दक्षिण अफ्रीका दौरा, भारत दौरा, इंग्लैंड में एशेज श्रृंखला, न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मुकाबले, मेलबर्न में 150वीं वर्षगांठ टेस्ट और संभावित विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल शामिल हैं।

कमिंस ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से सभी टेस्ट खेलने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन पूरे कार्यक्रम में एक ही तेज गेंदबाजी तिकड़ी का बने रहना कठिन होगा। उन्होंने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि सभी मैच खेलूं, लेकिन रास्ते में परिस्थितियां बदल सकती हैं। 21 टेस्ट में लगातार वही तीन तेज गेंदबाज खेलें, यह बहुत हैरान करने वाली बात होगी। बीच-बीच में बदलाव देखने को मिल सकते हैं। आस्ट्रेलिया की प्रमुख तेज गेंदबाजी तिकड़ी में कमिंस के अलावा मिचेल स्टार्क और जाश हेजलवुड शामिल हैं। पिछले एशेज सत्र के दौरान चोटों के कारण कई बार टीम को बदलाव करने पड़े थे और उस समय स्काट बोलैंड, माइकल नेसर, झाय रिचर्डसन और ब्रेंडन डागेट जैसे गेंदबाजों ने जिम्मेदारी संभाली थी। कमिंस ने यह भी संकेत दिए कि टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देने के लिए उन्हें सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी भागीदारी कम करनी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इस गर्मी में बिग बैश लीग में उनका खेलना पहले से कम संभावित नजर आ रहा है। जाश हेजलवुड की वापसी पर कमिंस ने भरोसा जताते हुए कहा कि चोटों के बावजूद वह नियमित टेस्ट क्रिकेट खेलने में सक्षम हैं। उन्होंने हाल में इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी कर अपनी उपयोगिता साबित की है। कमिंस ने कहा कि गेंदबाजी में लय बहुत मायने रखती है और हेजलवुड को फिर से लगातार क्रिकेट खेलते देखना टीम के लिए सकारात्मक संकेत है।

हाईलाइफ प्रदर्शनी सजेगी 12 जून से

भव्य फैशन शोकेस और तारीखों की घोषणा के साथ बढ़ी उत्सुकता

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

फैशन प्रेमियों के लिए बहुप्रतीक्षित हाईलाइफ एग्जीबिशन का जून स्पेशल फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशन आगामी 12, 13 और 14 जून 2026 को हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी-नोवोटेल में आयोजित किया जाएगा। इस बड़े आयोजन की तारीखों की घोषणा बंजारा हिल्स में आयोजित एक भव्य फैशन शोकेस और डेट अनाउंसमेंट इवेंट के दौरान की गई।

बंजारा हिल्स में हुए इस शानदार इवेंट में मशहूर अभिनेत्री प्रीति सुंदर, अभिनेत्री प्रियंका चौधरी और मिस इंडिया तेलंगाना-2023 उर्मिला चौहान ने शिरकत कर चार चांद लगाए। इस ग्रैंड कर्टेन रेज़र इवेंट में शहर की जानी-मानी हस्तियों, फैशन प्रेमियों और फैशन विशेषज्ञों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

यह तीन दिवसीय हाईलाइफ एग्जीबिशन - फैशन, कूटूर, स्टाइल स्पेशल प्रदर्शनी हैदराबाद के लोगों के लिए नए फैशन ट्रेंड्स का दीदार कराएगी। इस एग्जीबिशन में देश के बेहतरीन डिजाइनरों द्वारा तैयार क्रिएटिव डिजाइनर वियर, शादी-ब्याह के लिए ट्रेंडिंग वेडिंग वियर, एक्सक्लूसिव ब्राइडल वियर, आकर्षक ज्वेलरी (आभूषण), फैशनेबल एक्सेसरीज और लाइफस्टाइल से जुड़े कई अन्य अनोखे प्रॉडक्ट्स एक ही छत के नीचे प्रदर्शित किए जाएंगे।

12 से 14 जून 2026 तक एचआईसीसी-नोवोटेल में होने वाला यह जून स्पेशल संस्करण हैदराबाद के फैशन जगत में नया ट्रेंड सेट करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

जोड़ी हड्डी, बाकी पैसे नहीं मिले तो दोबारा तोड़ी!

मुजफ्फरनगर, 04 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में स्थित जिला कलेक्ट्रेट पर एक बेबस मां रेशमा अपनी 14 वर्षीय मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी को लेकर न्याय की गुहार लगाने पहुंची। इस पीड़ित विधवा महिला ने जिले के स्वास्थ्य विभाग पर इलाज के नाम पर अवैध वसूली और घोर लापरवाही बरतने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर ने उसकी बेटी के समुचित इलाज के लिए न केवल पैसों की मांग की, बल्कि गलत तरीके से इलाज करके उसकी मासूम बेटी के पैर को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।

पीड़ित मां रेशमा के अनुसार, करीब डेढ़ माह पूर्व उसकी बेटी के दाहिने पैर की हड्डी का ऑपरेशन जिला अस्पताल में हुआ था। इसके लिए अस्पताल कर्मियों ने उससे 25,000 रुपये की मांग की थी। महिला ने जब खुद को विधवा बताते हुए असमर्थता जताई, तो उन्होंने इलाज से मना कर दिया। इसके बाद महिला ने डीएम साहब के दरबार में अर्जी लगाई, जिन्होंने सीएमओ को मुफ्त इलाज के आदेश दिए। इसके बावजूद अस्पताल कर्मियों ने 8,000 रुपये ले लिए और कहा कि बाकी पैसे बाद में देने होंगे। महिला को डॉक्टर ने कुछ दिन बाद चेकअप के लिए आने को कहा था ताकि घुटना मुड़ सके। जब महिला बेटी को लेकर पहुंची, तो ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर चतुर्वेदी ने उसकी बेटी का घुटना जबरन मोड़ दिया। मासूम दर्द से चिल्ला पड़ी और पैर से हड्डी टूटने की आवाज आई, लेकिन डॉक्टरों ने उसे वहां से भगा दिया। बाद में जब पैर का एक्स-रे कराया गया, तो उसमें हड्डी टूटी हुई आई। परेशान मां ने बड़े डॉक्टरों से शिकायत की, पर किसी ने नहीं सुनी।

इस पूरे गंभीर मामले को लेकर मुजफ्फरनगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) सुनील तेवतिया का बयान भी सामने आया है। सीएमओ का कहना है कि दूसरे पक्ष की बात को सुने बगैर अभी इस मामले में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हालांकि, उन्होंने आश्वस्त किया है कि इस पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जाएगी। यदि जांच में अस्पताल कर्मियों या डॉक्टरों की किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

तेलंगाना सीनियर वॉटर पोलो टीम में अनिरुद्ध का चयन

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एल. अनिरुद्ध का चयन तेलंगाना राज्य सीनियर वॉटर पोलो टीम के लिए हुआ है। सीनियर नेशनल वॉटर पोलो टीम के चयन ट्रायल 24 मई 2026 को जीएचएमसी स्विमिंग पूल, अंबरपेट में आयोजित 11वीं तेलंगाना सीनियर इंटर डिस्ट्रिक्ट स्विमिंग चैंपियनशिप-2026 के दौरान संपन्न हुए थे। अनिरुद्ध वर्तमान में कोल्लूर स्थित बिड़ला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के छात्र हैं। राज्य टीम में उनके चयन पर खेल जगत एवं प्रशिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। एल. अनिरुद्ध आगामी 79वीं सीनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप-2026 (वॉटर पोलो) में तेलंगाना राज्य सीनियर नेशनल वॉटर पोलो टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 7 से 12 जुलाई 2026 तक डॉ. टी.के. पारिवेदकर एक्वेटिक कॉम्प्लेक्स, एसआरएम आईएसटी, कट्टनकुलथुर, चेन्नई में आयोजित की जाएगी। अनिरुद्ध की इस उपलब्धि पर स्ट्रोक्स स्विमिंग स्कूल के मालिक चेरुकुरी भरत, प्रभारी विनय, मुख्य कोच एवं प्रबंधक मुख्तार अहमद, गाचीबोवली एक्वेटिक स्टेडियम के स्विमिंग कोच तिरुपति तथा प्रभारी आयुष यादव ने उन्हें बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

म्युनिसिपल कमिश्नर ने सैनिटेशन प्रोग्राम पर कई निर्देश जारी किए

बांसवाड़ा 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कमिश्नर गोपू गंगाधर ने बांसवाड़ा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सीमा के अंदर सैनिटेशन प्रोग्राम और सैनिटेशन मैनेजमेंट पर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सैनिटेशन वर्कर्स को उनकी ड्यूटी पर निर्देश और सुझाव दिए। और उन्होंने सलाह दी कि वर्कर्स को शहर में सैनिटेशन मैनेजमेंट में लापरवाही नहीं करनी चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि शहर के नालों से रेगुलर तौर पर गाद साफ की जानी चाहिए और लोगों के लिए बिना किसी मुश्किल के सैनिटेशन का काम किया जाना चाहिए।

बांसवाड़ा नगर पालिका में वार्ड सभाओं के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याण एवं विकास योजनाओं के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बांसवाड़ा नगर पालिका द्वारा विशेष वार्ड सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष के नेतृत्व में वार्ड संख्या 2, 14, 15 और 17 में वार्ड सभाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं।

इन सभाओं में नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं जनहित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रमुख रूप से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026, जल संचय0जल भागीदारी योजना के तहत वर्षा जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण, नालों की सफाई एवं गाद निकासी, मानसून पूर्व तैयारियां, पेयजल आपूर्ति एवं प्रबंधन, जलभराव रोकथाम, स्वच्छता, सड़कों एवं स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव, पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इसके अलावा राज्य सरकार की कल्याणकारी एवं विकास योजनाएं, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, स्वयं सहायता समूहों को मजबूत बनाने की पहल, रोजगार एवं कौशल विकास कार्यक्रम, युवा कल्याण योजनाएं, ग्रामीण एवं शहरी बुनियादी ढांचा विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई। सभाओं में नागरिकों को वर्षा जल संरक्षण के लिए सोख्ता गड्ढों (इंकुडु गड्ढों) के निर्माण तथा गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण और वैज्ञानिक प्रबंधन के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वार्ड-2 के पार्षद जंगम राजशेखर, वार्ड-14 की पार्षद नार्ला वसंता, वार्ड-15 के पार्षद वांकर रमेश, वार्ड-17 के पार्षद मोहम्मद फरहानाज, को-ऑप्शन सदस्य कासुला रोहित, नेता मोहम्मद एजाज, नगर पालिका आयुक्त गोपू गंगाधर सहित पुलिस, राजस्व, विद्युत, शिक्षा एवं सिंचाई विभाग के अधिकारी, ड्वाक्रा समूहों की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि इन वार्ड सभाओं के माध्यम से सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने और नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी संवाद स्थापित किया जा रहा है। लोगों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

घाटकेसर के एसएनआईएसटी में एनसीसी का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर शुरू

600 कैडेट्स सीख रहे अनुशासन और सैन्य जीवन के गुर

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

घाटकेसर स्थित श्रीनिधि इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसएनआईएसटी) का शांत परिसर इन दिनों अनुशासन और गतिशीलता के एक जीवंत केंद्र में बदल गया है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना निदेशालय के तहत सिकंदराबाद ग्रुप के '2 तेलंगाना बटालियन एनसीसी' द्वारा आयोजित वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर (एटीसी 9) का आगाज़ 25 मई 2026 को हुआ। इस शिविर में लगभग 600 कैडेट्स का एक बड़ा दस्ता अपने पिट्ठू बैग (रकसैक) और कड़े संकल्प के साथ पहुंचा, जहां

उनका स्वागत सैन्य जीवन के अनुशासित और जोशीले माहौल के साथ किया गया। शिविर के पहले दिन कैडेट्स को विस्तृत दस्तावेज़ीकरण (डॉक्यूमेंटेशन) प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा, जिसके तुरंत बाद उन्हें शिविर की कड़ी दिनचर्या में शामिल किया गया। परिसर का माहौल कमांड की गूंज और आपसी भाईचारे से भर उठा। कैडेट्स बैरक-शैली की दिनचर्या में ढल गए, जिसमें शाम के खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां और बेहतरीन तरीके से तैयार किया गया भोजन शामिल रहा।

शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत तड़के सुबह पीटी (शारीरिक प्रशिक्षण) के साथ हुई, जिसने कैडेट्स की मांसपेशियों और उनके हौसले की परीक्षा ली।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीओके...

उन्होंने कहा कि गिलगित की सड़कों और विकास कार्यों की हालत देखकर उन्हें दुख हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि विकास के लिए आवंटित धन आखिर कहां खर्च हुआ। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी गिलगित-बाल्टिस्तान और अन्य क्षेत्रों के विकास को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोगों को उनके अधिकार और संसाधनों में उचित हिस्सेदारी मिलनी चाहिए तथा क्षेत्रीय विकास पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।कुछ स्थानीय नेताओं ने आरोप लगाया है कि मतदाता सूची में अनियमितताएं की गई हैं। उन्होंने निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने की मांग की है। हालांकि इन आरोपों पर संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिलहाल पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान में जारी विरोध प्रदर्शनों और आगामी चुनावों को देखते हुए क्षेत्र का राजनीतिक माहौल काफी गर्म बना हुआ है। जनता की मांगों और विरोध प्रदर्शनों पर पाकिस्तान सरकार क्या कदम उठाती है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

आया मानसून...

क्यूम्युलोनिम्बस क्लाउड्स यहां 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-बारिश करवा सकते हैं। क्यूम्युलोनिम्बस क्लाउड या सीबी क्लाउड (बादल) मौसम के पावरहाउस माने जाते हैं। तेज आंधी, बिजली और गरज वाले तूफान इन्हीं बादलों के कारण बनते हैं। कल से केरल के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते आईएमडी ने अलप्पुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम जिलों के लिए 3 घंटे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 11 सेमी से 20 सेमी तक की बहुत भारी बारिश हो सकती है।

देश के कई राज्यों में अभी भी गर्मी कम नहीं हुई है। गुजरात, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है।

आईपीएल पर कंट्रोल...

स्पॉट फिक्सिंग रोकने के लिए सख्त निगरानी रखी गई और करोड़ों डॉलर की कथित रिश्वत तक ठुकरा दी गई। ललित मोदी का आरोप है कि इसके बाद उन्हें खत्म करने के लिए कई देशों में साजिशें रची गईं। उन्होंने मुंबई स्थित अपने घर के बाहर हुई कथित फायरिंग, जोहानिसबर्ग में कथित हमले की योजना, क्रोएशिया बॉर्डर पर रोकी गई साजिश और लंदन में उनके बेटे के कथित अपहरण की कोशिश का भी जिक्र किया। जब उनसे पूछा गया कि आखिरकार वह अंडरवर्ल्ड के निशाने से कैसे बाहर निकले, तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला था।

ललित मोदी ने कहा कि उन्होंने किसी तरह का समझौता नहीं किया, बल्कि क्रिकेट प्रशासन छोड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, मैंने सिर्फ इतना कहा कि मैं क्रिकेट छोड़ दूंगा। मैंने अपना वादा निभाया और क्रिकेट से दूर हो गया। दाऊद इब्राहिम उन सबसे बड़ी वजहों में से एक था, जिसकी वजह से मैंने क्रिकेट प्रशासन से हमेशा के लिए दूरी बना ली।

आईपीएल के आर्किटेक्ट से भगोड़े तक का सफर

गौरतलब है कि ललित मोदी को आईपीएल का जनक माना जाता है। 2008 में शुरू हुई लीग ने क्रिकेट की तस्वीर बदल दी और दुनिया की सबसे अमीर टी20 लीग बन गई। लेकिन 2010 में आईपीएल के तीसरे सीजन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन पर वित्तीय अनियमितताओं, प्रशासनिक गड़बड़ियों और टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए निलंबन लगा दिया। बाद में बीसीसीआई ने उन्हें क्रिकेट प्रशासन से आजीवन प्रतिबंधित कर दिया। इसके बाद से वह लंदन में रह रहे हैं।

अब विप्रो...

आईटी कंपनियों में कर्मचारियों की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर इस घटना के बाद एक बार फिर बहस शुरू हो गई है। विप्रो की ओर से इस पूरे मामले की अपनी आंतरिक नीतियों के तहत जांच करने की बात कही गई है। फिलहाल, पुलिस प्रशासन और कंपनी दोनों स्तरों पर जांच जारी है।

महिला प्रोजेक्ट मैनेजर ने की शिकायत

पुणे पुलिस के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर बालाजी पंढारे ने बताया कि विप्रो कंपनी की एक महिला प्रोजेक्ट मैनेजर ने हमारे पास शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी महिला बॉस (जो इंश्योरेंस से जुड़े काम देखती थीं) ने उनके खिलाफ कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। आरोप है कि बाद में महिला बॉस ने प्रोजेक्ट मैनेजर से इस्तीफा देने को कहा और उनका इस्तीफा पत्र ले लिया। इसके बाद पीड़िता ने हमारे पास एक आवेदन जमा किया। चूंकि उनकी महिला बॉस अब बेंगलुरु में रहती हैं और वहीं से काम संभालती हैं, इसलिए शिकायतकर्ता ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। हम इस बात की भी जांच करेंगे कि इस शिकायत के संबंध में कंपनी ने अब तक क्या कार्रवाई की है।इस पूरे विवाद पर विप्रो कंपनी ने अपना आधिकारिक पक्ष रखते हुए कहा है,विप्रो में कर्मचारियों का कल्याण, गरिमा और सम्मान सर्वोपरि है। हम किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार, भेदभाव, उत्पीड़न या ऐसे कार्यों के प्रति जीरो-टोलरेंस की नीति अपनाते हैं, जो किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता से समझौता करते हों।

कंपनी ने आगे कहा, हम इस मामले में पुलिस अधिकारियों के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं और पुणे पुलिस को सभी प्रासंगिक दस्तावेज और जानकारियां उपलब्ध करवा दी हैं। चूंकि मामला वर्तमान में जांच के अधीन है, इसलिए हम इस मामले की विशिष्टताओं पर टिप्पणी नहीं कर सकते। हम अपने सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।इस संबंध में हिंदू जनजागृति समिति ने बुधवार को पुणे पत्रकार भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की थी, जिसमें पीड़ित महिला ने साल 2019 से 2025 तक विप्रो में काम करने के दौरान अपने साथ हुई आपबीती का पूरा ब्यौरा सामने रखा। पुणे पुलिस अब महिला द्वारा लगाए गए इन सभी आरोपों और कंपनी के आंतरिक रिकॉर्ड्स की गहन जांच कर रही है।

खेडा की...

उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा का टिकट दिया गया है। दरअसल, 30 मई 2022 को जब कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए 10 उम्मीदवारों (पी. चिदंबरम, जयराम रमेश, राजीव शुक्ला, प्रमोद तिवारी और इमरान प्रतापगढ़ी आदि) के नामों का ऐलान किया था, तब उस लिस्ट से पवन खेड़ा का नाम गायब था। टिकट न मिलने से आहत खेड़ा ने सोशल मीडिया पर एक लाइन लिखकर अपना दर्द बयां किया था, जो बेहद वायरल हुई थी 'शायद मेरी तपस्या में कुछ कमी रह गई। साल 2026 की इस नई लिस्ट ने खेड़ा की उसी तपस्या को पूरा करते हुए उन्हें संसद का टिकट सौंप दिया है।

अन्य राज्यों से ये नेता उतरे मैदान में

राहुल गांधी की कोर टीम की पुरानी और बेहद भरोसेमंद सदस्य रहीं पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को मध्य प्रदेश से राज्यसभा का टिकट दिया गया है। मंदसौर से लोकसभा सांसद रह चुकीं नटराजन को उच्च सदन में भेजकर कांग्रेस ने मालवा अंचल और महिला नेतृत्व को बड़ी ताकत दी है। राजस्थान से दलित समुदाय के मजबूत नेता और मौजूदा राज्यसभा सांसद नीरज डांगी पर कांग्रेस आलाकमान ने दोबारा भरोसा जताते हुए उन्हें फिर से मैदान में उतारा है। कांग्रेस के डेटा और एनालिटिक्स विभाग के चेयरमैन प्रवीण चक्रवर्ती को तमिलनाडु कोटे से राज्यसभा भेजा जा रहा है। प्रवीण चक्रवर्ती को राहुल गांधी के बेहद करीबी नीतिगत सलाहकारों में गिना जाता है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और संचार विभाग से जुड़े सीनियर नेता प्रणव झा को झारखंड से राज्यसभा का टिकट दिया गया है। मीडिया मैनेजमेंट और संगठन में संकटमोचक की भूमिका निभाने वाले प्रणव झा के लिए यह एक बड़ा सांगठनिक इनाम माना जा रहा है।

बिट्टू-जॉर्ज बाहर...

इसी प्रकार मध्य प्रदेश कोटे से राज्यसभा सदस्य और केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कूरियन का नाम भी उम्मीदवारों की सूची में शामिल नहीं किया गया है। इसके बाद केंद्र सरकार में संभावित फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं।

संगठन में सक्रिय नेताओं को मिला अवसर

भाजपा ने इस बार संगठन में लंबे समय से सक्रिय नेताओं को प्राथमिकता दी है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं विभिन्न राज्यों के चुनाव प्रभारी तरुण चुघ को मध्य प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है। उनके साथ प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल को भी राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया गया है।

राजस्थान से भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्तमान में हरियाणा भाजपा के प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को टिकट दिया गया है। वहीं भाजपा की केंद्रीय सचिव डॉ. अलका गुर्जर को भी राजस्थान से उम्मीदवार बनाया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह निर्णय सामाजिक एवं क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर लिया गया है।

गुजरात से चार नए चेहरों पर दांव

भाजपा ने गुजरात से चार नए चेहरों को राज्यसभा के लिए मैदान में उतारा है। इनमें राजूभाई शुक्ला, मानसिंह परमार, जितेंद्र कंजारिया और मुकेशभाई राठवा शामिल हैं।

राजूभाई शुक्ला लंबे समय से संगठन से जुड़े रहे हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उनका गहरा संबंध माना जाता है। मानसिंह परमार ओबीसी वर्ग के युवा नेता हैं, जबकि जितेंद्र कंजारिया भी संगठन के सक्रिय नेताओं में गिने जाते हैं। मुकेशभाई राठवा आदिवासी समुदाय में प्रभावशाली पहचान रखते हैं और भारतीय जनता युवा मोर्चा से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू कर चुके हैं।पूर्वोत्तर भारत में संगठन को मजबूत करने की रणनीति के तहत भाजपा ने मणिपुर प्रदेश अध्यक्ष ए. शारदा देवी को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। वहीं अरुणाचल प्रदेश से वरिष्ठ नेता ताई तगाक को पार्टी ने उच्च सदन के लिए उम्मीदवार घोषित किया है।

ओडिशा उपचुनाव में देबाशीष सामंतराय पर भरोसा

ओडिशा की एकमात्र राज्यसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने देबाशीष सामंतराय को उम्मीदवार बनाया है।

उल्लेखनीय है कि सामंतराय पूर्व में बीजू जनता दल छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। जिस सीट के लिए उपचुनाव हो रहा है, वह उनके इस्तीफे के कारण ही रिक्त हुई थी। भाजपा ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए उम्मीदवार घोषित किया है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा की यह सूची केवल राज्यसभा चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक रणनीति का भी संकेत देती है। संगठन में सक्रिय कार्यकर्ताओं को महत्व देने और क्षेत्रीय-सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश इस सूची में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

ममता ...

समर्थन की भी जरूरत महसूस कर रही हैं। पार्टी के भीतर यह माना जा रहा है कि बंगाल में बीजेपी द्वारा जिस तरह उन्हें किनारे किया गया है, उसके बीच दिल्ली आकर विपक्षी नेताओं से मुलाकात करना उनके और उनकी पार्टी के मनोबल को मजबूत करेगा। इससे राज्य में उनके खिलाफ बन रहे नकारात्मक माहौल से लड़ने में भी मदद मिल सकती है।

दिल्ली में विपक्षी नेताओं से मिलकर मजबूत होगा मनोबल

इसके अलावा, दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होकर ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर सुर्खियों में आ सकती हैं, जिसकी उन्हें इस समय बेहद जरूरत है।

गौरतलब है कि इससे पहले इंडिया गठबंधन की बैठक पिछले साल जुलाई में वर्चुअल माध्यम से हुई थी, जबकि अगस्त में राहुल गांधी के डिनर मीटिंग के दौरान भी बैठक हुई थी।

इन दोनों बैठकों में अभिषेक बनर्जी ही शामिल हुए थे और अगस्त की बैठक में उन्होंने और राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर अपनी-अपनी रिपोर्ट भी पेश की थी। हालांकि, इस बार ममता बनर्जी खुद दिल्ली आकर बैठक में हिस्सा लेने जा रही हैं, जिसे राजनीतिक तौर पर काफी अहम माना जा रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 05 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

दृढ़ विश्वास और समर्पण से ही मिलती है परमात्मा की कृपा : पं. मनोज त्रिवेदी

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालुओं को कराया कथामृत का रसपान

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री वीसा मोड गौ भुजा समाज वाड़ी में पवित्र पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथावाचक पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने श्रद्धालुओं को कथामृत का रसपान कराते हुए कहा कि जीवन में समस्याएँ चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हों, यदि परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण और दृढ़ विश्वास हो तो उनका समाधान अवश्य प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि जब मनुष्य अपने आराध्य देव पर अटूट विश्वास रखता है, तब प्रभु उसकी सहायता अवश्य करते हैं। परमात्मा की कृपा शक्ति स्वरूपिणी बनकर आत्मबल, साहस और धैर्य प्रदान करती है तथा भक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। ऐसे में जीवन की कठिनाइयाँ हवा के झोंकों की तरह दूर हो जाती हैं और पता ही नहीं चलता कि कठिन समय कब व्यतीत हो गया।

आराध्य देव पर विश्वास से जीवन यात्रा होती है सफल

पं. त्रिवेदी ने कहा कि जिस प्रकार यात्री को विमान अथवा रेल में बैठकर अपने गंतव्य तक पहुँचने का पूरा विश्वास रहता है, उसी प्रकार अपने आराध्य देव पर भी पूर्ण भरोसा होना चाहिए कि उनकी कृपा से जीवन यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि जीवमात्र का परम कर्तव्य है कि वह दृढ़ विश्वास के साथ अपने आराध्य की सतत एवं निष्काम भाव से सेवा करता रहे तथा किसी प्रकार की कामना के बिना भक्ति में लीन रहे।उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति भगवान की पूजा-अर्चना और आराधना में निरंतर तत्पर रहता है, उसका मन निर्मल और स्वभाव शुद्ध बना रहता है। निर्मल स्वभाव वाला व्यक्ति कभी किसी का अहित नहीं करता और परमात्मा की कृपा से उसका तथा उसके साथ जुड़े लोगों का भी कल्याण होता है। ऐसा जीवन सफल, सार्थक और धन्य बन जाता है।

परमपिता परमात्मा जीवों के पालन-पोषण की करते हैं व्यवस्था

कथावाचक ने कहा कि पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान अत्यंत दयालु हैं। वे जीव के जन्म से पूर्व ही उसके पालन-पोषण की व्यवस्था कर देते हैं। मुट्ठीभर बीज भूमि में बोया जाता है, लेकिन वही आगे चलकर अन्न और फलों के रूप में अनेक गुना बढ़कर जीवों के पोषण का साधन बनता है। यह सब परमपिता परमात्मा की असीम कृपा का ही परिणाम है।उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे सदैव सच्चे हृदय और निष्कपट भाव से भगवान की पूजा, आराधना और सेवा में तत्पर रहें। जितनी अधिक भक्ति और सेवा की जाए, वह भी कम है। मनुष्य को सदैव यह भाव रखना चाहिए कि वह परमात्मा का ऋणी है, क्योंकि उनकी कृपा से ही जीवन में सब कुछ प्राप्त होता है।

दीन भाव से करें प्रभु की सेवा

पं. मनोज त्रिवेदी ने कहा कि मनुष्य को सदैव विनम्रता और कृतज्ञता के साथ यह स्वीकार करना चाहिए कि वह योग्य न होते हुए भी प्रभु की असीम कृपा प्राप्त कर रहा है। इसी दीन भाव और समर्पण के साथ निरंतर भगवान की सेवा एवं भक्ति करते रहने से जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है।

समाज सेवा के क्षेत्र में प्रेरणादायी कार्य कर रहा है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : सुरेश सिंघल

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया तथा सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सेवा कार्य में भाग लिया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुरेश सिंघल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद समाज सेवा के क्षेत्र में प्रेरणादायी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जरूरतमंद लोगों की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और राधे-राधे ग्रुप के सदस्य इसी भावना के साथ निरंतर जन-सेवा में जुटे हुए हैं। समूह द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे अन्नदान और सेवा कार्यक्रम अनेक लोगों के लिए आशा और सहयोग का माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है और भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे श्रेष्ठ सेवा मानी गई है। राधे-राधे ग्रुप इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। यही कारण है कि ग्रुप की गतिविधियों को समाज के विभिन्न वर्गों से निरंतर सराहना और समर्थन प्राप्त हो रहा है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकरराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, गजराज श्रीमाल, पाबूराम पीपावत, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, निधि केडिया, युवान केडिया, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, नंदकिशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, गोपाल गोयल, सुरेश सिंघल, रविंद्र शर्मा एवं महेश अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने समाज सेवा के ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह नियमित सेवा अभियान मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अग्रवाल समाज में दो वरिष्ठ सदस्यों को मुख्य सलाहकार की जिम्मेदारी

सुरेश कुमार अग्रवाल एवं गोपाल मोर नियुक्त

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार अग्रवाल ने समाज कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठ एवं सम्मानित सदस्यों श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्ली वाले) तथा श्री गोपाल मोर को मुख्य सलाहकार नियुक्त किए जाने की घोषणा की।

यह नियुक्ति समाज के प्रति उनके दीर्घकालीन योगदान, समृद्ध अनुभव तथा संगठन के प्रति समर्पण को ध्यान में रखते हुए की गई है। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि दोनों मुख्य सलाहकारों का अनुभव, दूरदृष्टि एवं मार्गदर्शन समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके सहयोग से समाज की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों को नई ऊर्जा और दिशा प्राप्त होगी।

श्री नरेंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि समाज के अनुभवी एवं समर्पित सदस्यों को जिम्मेदारियों से जोड़ना संगठन की कार्यक्षमता को बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों मुख्य सलाहकार समाज के हित में अपने अनुभवों का लाभ प्रदान करते हुए संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में सक्रिय योगदान देंगे।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट

आध्यात्मिक एवं सामाजिक विषयों पर हुआ विचार-विमर्श

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महर्षि योग आश्रम, कनखल (हरिद्वार) के संस्थापक महर्षि मधुसूदन स्वामी ने गुरुवार को राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल से उनके आधिकारिक आवास 'लोक भवन' में शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वरलू (आईएएस) सहित महर्षि जी के कई शिष्य उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के वरिष्ठ नेता सतीश अग्रवाल, अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, गुजराती जैन समाज के अध्यक्ष अशोक डोशी, रानीगंज ट्रेडर एसोसिएशन के पदाधिकारी संजय भट्ट एवं अन्य शामिल थे। भेंटवार्ता के दौरान आध्यात्मिक ज्ञान, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों तथा समाज कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया।

बिहार अग्रवाल संघ, तेलंगाना की वार्षिक साधारण सभा 21 को

नई कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों की होगी घोषणा

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार अग्रवाल संघ, तेलंगाना की वर्ष 2026 की वार्षिक साधारण सभा रविवार, 21 जून को आयोजित की जाएगी। यह जानकारी संघ के उपाध्यक्ष संतोष टांटिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नामपल्ली स्थित होटल क्वालिटी इन रेजिडेंसी में प्रातः 11:30 बजे सभा का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना से होगी, जिसके पश्चात संघ के अध्यक्ष विकास केशान स्वागत संबोधन देंगे।

सभा में मानद मंत्री भीम फिटकरीवाला द्वारा संघ की वार्षिक रिपोर्ट तथा कोषाध्यक्ष बिकी सराफ द्वारा वार्षिक आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही अध्यक्ष विकास केशान पिछले दो वर्षों में संघ द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देंगे।

इस अवसर पर संघ से जुड़े नए सदस्यों का सम्मान भी किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान चुनाव अधिकारियों द्वारा चयनित नई कार्यकारिणी समिति एवं नव-निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी। अध्यक्ष विकास केशान सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत करेंगे।

संघ ने सभी सदस्यों से निर्धारित समय पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सभा को सफल बनाने का आग्रह किया है।

तेलंगाना में एसआईआर :

लगभग 30 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की संभावना

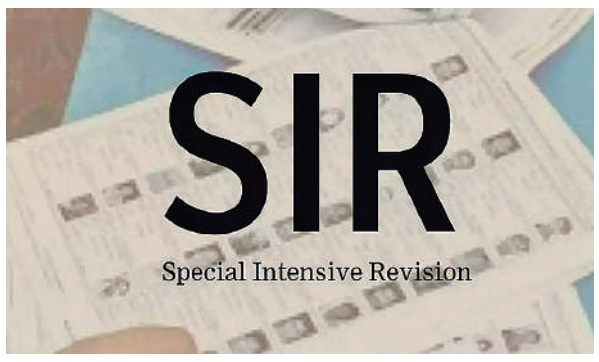

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना में आगामी 25 जून से शुरू होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान करीब 30 लाख मतदाताओं (यानी लगभग नौ प्रतिशत) के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की संभावना है।

हैदराबाद में अब तक केवल 45 प्रतिशत वोटर मैपिंग (मतदाता मानचित्रण) ही पूरी हो सकी है। ऐसे में, आगामी प्रगणना (गणना) प्रक्रिया के दौरान डुप्लिकेट (एक से अधिक) वोटर आईडी होने और उम्मीदवारों द्वारा अपने दावों के समर्थन में प्रमाण न दे पाने के कारण राज्य की राजधानी हैदराबाद में सबसे अधिक नाम हटाए जाने की संभावना है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार गुरुवार तक तेलंगाना ने अपने 3.4 करोड़ मतदाताओं में से 68.72 प्रतिशत की मैपिंग पूरी कर ली है। 10 जून तक, जो कि मैपिंग फ्रीज (रोकने) की संभावित तारीख है, यह मैपिंग 70 प्रतिशत से थोड़ी अधिक हो पाएगी।

अगले छह दिनों में, वोटर मैपिंग अधिकतम 70 प्रतिशत से ऊपर पहुंच सकती है। एक अधिकारी ने बताया, तमाम चल रहे प्रयासों के बाद यह आंकड़ा लगभग 71 से 72 प्रतिशत के आसपास हो सकता है। जो लोग इस प्रक्रिया से छूट जाएंगे, उन्हें अगले चरण से गुजरना होगा, जो कि एसआईआर अभ्यास के हिस्से के रूप में प्रगणना प्रक्रिया है। तथ्यों और आंकड़ों को देखते हुए, आनुपातिक संख्या यह दर्शाती है कि लगभग 30 लाख नाम मतदाता सूची से ओमिट (हटाए) हो सकते हैं।

अधिकारियों के अनुसार, अन्य राज्यों से आए प्रवासी मजदूर, जिनका नाम तेलंगाना और उनके गृह राज्य दोनों जगह की मतदाता सूची में दर्ज है, हैदराबाद में केवल 44.87 प्रतिशत वोटर मैपिंग होने का मुख्य कारण हो सकते हैं।

इसी तरह, सबसे अधिक प्रवासी आबादी वाले संगारेड्डी जिले में केवल 56 प्रतिशत वोटर मैपिंग ही हासिल की जा सकी है। इसके विपरीत, जिन जिलों में प्रवासी आबादी न के बराबर है, वहां का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है। जनगाँव (93.13 प्रतिशत) और महबूबाबाद (93.93 प्रतिशत) दोनों जिलों ने 93 प्रतिशत का आंकड़ा पार कर लिया है।

अधिकारी ने आगे बताया, ग्रामीण इलाकों के विपरीत, हैदराबाद में न केवल बिहार, गुजरात, राजस्थान जैसे उत्तरी राज्यों से, बल्कि पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश से भी प्रवासी आबादी आकर बसी है। इस तरह की आबादी की मैपिंग नहीं की जा सकी, क्योंकि संभवतः वे अन्य राज्यों में पहले ही मैपिंग और प्रगणना प्रक्रिया से गुजर चुके हैं, जो ऑनलाइन दिखाई देता है। एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद, कोई भी डुप्लिकेट (फर्जी) मतदाता नहीं बचेगा।

यद्यपि मैपिंग को फ्रीज करने की आधिकारिक अंतिम तिथि 12 जून है, लेकिन मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने औपचारिक रूप से इस तिथि को 10 जून को पुनर्निर्धारित करने का अनुरोध किया है।

मुख्य कार्यक्रम और समय-सीमा –

15 जून से 24 जून: प्रारंभिक तैयारी, अधिकारियों का प्रशिक्षण और दस्तावेजों की छपाई।

25 जून से 24 जुलाई: बूथ स्तर के अधिकारियों (इडजी) द्वारा घर-घर जाकर प्रगणना (गणना) का चरण।

31 जुलाई: प्रारूप मतदाता सूची का आधिकारिक प्रकाशन।

31 जुलाई से 30 अगस्त: नागरिकों के लिए दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समय-सीमा।

31 जुलाई से 28 सितंबर: निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी करना, सुनवाई और उनका निपटारा करना।

1 अक्टूबर, 2026: अंतिम व अद्यतित मतदाता सूची का प्रकाशन।

विहार सेवा परिवार : आस्था, समर्पण और सेवा का प्रेरणादायी संगम

2014 में शुरू हुई सेवा यात्रा आज 250 से अधिक सदस्यों के साथ बनी मिसाल

साधु-साध्वियों की सेवा, गोचरी व्यवस्था और विहार सहयोग में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वर्ष 2014 में फिलखाना स्थित महावीर भवन, त्रयनगर से प्रारंभ हुआ विहार सेवा परिवार आज सेवा, श्रद्धा और संगठन का एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है। यह केवल एक संस्था नहीं, बल्कि उन श्रद्धालु हृदयों का परिवार है जो अपने धर्म गुरुओं की सेवा को जीवन का सर्वोच्च कर्तव्य मानते हुए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं।

वर्तमान में इस सेवा परिवार के अंतर्गत चार प्रमुख समूह सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। विहार सेवा परिवार त्रयनगर (हैदराबाद, सिकंदराबाद एवं बोलाराम) के सदस्य विभिन्न सेवा कार्यों में निरंतर योगदान दे रहे हैं। वहीं विहार सेवा परिवार (साउथ) के माध्यम से महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के श्रद्धालु भी इस सेवा अभियान को व्यापक स्वरूप प्रदान कर रहे हैं।

विहार सेवा परिवार के अंतर्गत संचालित श्राविका ग्रुप साधु-साध्वियों के लिए गोचरी (भोजन व्यवस्था) की पवित्र जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है। वहीं बालिका ग्रुप सेवा और संवेदनशीलता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए गुरुवर्यों के विहार में पैदल साथ चलने, व्हीलचेयर संचालन करने तथा आवश्यकता पड़ने पर अस्पतालों में सेवा-सुश्रूषा एवं देखभाल का दायित्व निभा रहा है।

इस सेवा अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने में संस्थापक अध्यक्ष श्री विक्रमसिंह ढड्ढा, श्री विजयराज ओस्तवाल, श्री सुनील ओस्तवाल, श्री गौतम सुराणा, श्री योगेश झाबक, श्रीमती सरिता नाहर (ईलायची वाले) तथा कु. एकता संघवी का विशेष योगदान रहा है। इनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में विहार सेवा परिवार निरंतर विस्तार एवं प्रभाव की दिशा में अग्रसर है।

हाल ही में महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर नुमाइश मैदान में विहार सेवा परिवार द्वारा सेवा स्टॉल लगाया गया, जिसका उद्घाटन परम पूज्य गुरुदेव श्री चंद्रयशविजयजी एवं महाशतावधानी गुरुदेव श्री अभिनंदनसागरजी के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर लगभग 100 नए सदस्य विहार सेवा परिवार से जुड़े। इनमें अनेक श्रद्धालुओं ने साधु-साध्वियों की गोचरी एवं विहार सेवा के लिए अपने निजी वाहन उपलब्ध कराने की सहमति भी प्रदान की।

विहार सेवा परिवार आज उन समर्पित सेवकों का समूह बन चुका है जो तन, मन और धन से धर्म गुरुओं की सेवा में जुटे हुए हैं। यह संगठन न केवल धार्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आध्यात्मिक संस्कारों और सेवा संस्कृति की सशक्त नींव भी तैयार कर रहा है।

वर्तमान में लगभग 250 सदस्य स्वेच्छा से इस सेवा परिवार से जुड़कर विभिन्न सेवा गतिविधियों में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

जन्मोत्सव पर विशेष साईं पूजा आयोजित

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भवानी कॉलोनी, प्रेमावतीपेट स्थित श्री शिरडी साईं बाबा मंदिर में राजेंद्रनगर ज़ोनल कमिश्नर श्री श्रीनिवास रेड्डी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री सच्चिदानंद सदुरु साईनाथ महाराज की विशेष पूजा-अर्चना श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई।

यह धार्मिक आयोजन मंदिर के पुजारी एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक पंडित श्री गणेश जोशी महाराज के सान्निध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री नीलकंठम, समिति सदस्य श्री सी. बालराज सहित बड़ी संख्या में साईं भक्त उपस्थित रहे और साईं बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर विशेष पूजा एवं प्रार्थना के माध्यम से श्रीनिवास रेड्डी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा जीवन में निरंतर प्रगति की कामना की गई।

पंडित श्री गणेश जोशी महाराज ने साईं बाबा की कृपा से श्रीनिवास रेड्डी को दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं जनसेवा के और अधिक अवसर प्राप्त होने की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि साईं बाबा की कृपा से समाजसेवा एवं लोककल्याण के कार्यों में निरंतर सफलता प्राप्त होती रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की नई अत्तापुर ईस्ट शाखा का गठन

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के संगठन विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नई अत्तापुर ईस्ट शाखा का गठन किया गया। नवगठित शाखा के लिए विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

नवगठित शाखा में श्री हरिनारायण अग्रवाल को अध्यक्ष, श्री मनोज अग्रवाल को उपाध्यक्ष, श्रीमती बबीता मित्तल को मानद मंत्री, श्री करन अग्रवाल को सह मंत्री, श्रीमती दीपा अग्रवाल को कोषाध्यक्ष तथा श्री दिनेश सराफ को केंद्रीय समिति सदस्य नियुक्त किया गया है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान आबिड्स स्थित समाज कार्यालय, राघव रत्ना टॉवर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल एवं मानद मंत्री श्रीमती सीमा जैन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अत्तापुर ईस्ट शाखा के अध्यक्ष श्री हरिनारायण अग्रवाल ने श्री नरेंद्र गोयल का तथा मानद मंत्री श्रीमती बबीता मित्तल ने श्रीमती सीमा जैन का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

उपाध्यक्ष श्री मनोज अग्रवाल ने समाज में अधिक से अधिक अग्रबंधुओं को जोड़ने तथा समाज की प्रत्येक गतिविधि में केंद्रीय समिति के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करने का आश्वासन दिया। उन्होंने शाखा को समाज सेवा, संगठन विस्तार एवं सामाजिक एकता का सशक्त माध्यम बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम के अंत में कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल एवं मानद मंत्री श्रीमती सीमा जैन ने नवगठित शाखा के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए शाखा के उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अतापुर ईस्ट शाखा समाज की प्रगति, संगठनात्मक मजबूती तथा सामाजिक गतिविधियों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रानी सती दादी महिला शाखा द्वारा रुक्मिणी विवाह उत्सव धूमधाम से संपन्न

पारंपरिक रीति-रिवाजों और झांकियों के साथ हुआ भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की रानी सती दादी महिला शाखा, घांसी बाजार द्वारा रानी सती मंदिर, घांसी बाजार में भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी जी का विवाह उत्सव बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और वैदिक विधि-विधान के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में धार्मिक वातावरण, आकर्षक झांकियों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विवाह उत्सव का आध्यात्मिक वर्णन एवं व्याख्यान विपिन महाराज ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रामचरण जी महाराज (मुख्य पुजारी, श्याम मंदिर) उपस्थित रहे। इसके अलावा अग्रवाल समाज तेलंगाना केंद्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, सह मंत्री श्री प्रतीक कुमार एवं श्री जितेंद्र कुमार ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। शाखा पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल ने शाखा को सेवा कार्यों हेतु 21,000 की सहयोग राशि प्रदान की। अयोध्या से पधारीं गुरुमाता ने भी अपने प्रेरणादायी सत्संग एवं मधुर वाणी से उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश दिए। कार्यक्रम की सफलता में श्री मधुसूदन जी का भी विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी जी के विवाह का संपूर्ण प्रसंग अत्यंत आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। मेहंदी, हल्दी, बारात आगमन, तोरण मारना, वरमाला, चरण पादुका सहित विवाह से जुड़ी सभी पारंपरिक रस्मों का सूक्ष्म एवं जीवंत मंचन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति और उल्लास के साथ प्रत्येक आयोजन का आनंद लिया।

विवाह समारोह के उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में लगभग 200 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष श्रीमती हेमा अग्रवाल, मंत्री श्रीमती सुशीला केड़िया, सह मंत्री श्रीमती ममता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती नीलम अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य श्रीमती कविता गोयल तथा कार्यकारिणी सदस्य नेहा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, चित्रा अग्रवाल, दीपिका गोयल, अनमोल अग्रवाल, कनक अग्रवाल, रिया केड़िया, प्रिसा अग्रवाल, मुस्कान गोयल, दर्शना गोयल, भरत कुमार अग्रवाल, मिथुन अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, साक्षी केड़िया एवं प्रणव अग्रवाल का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रिंकू गर्ग ने सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शाखा भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी, जिनमें समाज का प्रत्येक सदस्य सहभागी बन सकता है।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़कर सेवा और संस्कारों का मिला अनमोल मंच : लता गोयल

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास आयोजित नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए लता गोयल ने कहा कि स्वयं को राधे-राधे परिवार का सदस्य मानना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि यह समूह केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य भी कर रहा है।

लता गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य निस्वार्थ भाव से समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। सेवा कार्यों के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए, जिससे जरूरतमंद लोगों को राहत और सहयोग मिल सके।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा, सहयोग और मानवता के मूल्यों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, अनिल धारशुवाले, जगन चंपापेट, सुशीला केड़िया, मुकेश केड़िया, प्रवीण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल एवं नीलम विजयवर्गीय सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का समापन जरूरतमंद लोगों को अन्न वितरण एवं समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्यों की स्थानीय नागरिकों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

तेलंगाना में भाजपा एक मज़बूत विकल्प के तौर पर उभर रही है: रामचंद्र राव

हैदराबाद, 04 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने गुरुवार को दावा किया कि भाजपा राज्य में तेज़ी से एक मज़बूत राजनीतिक ताकत के तौर पर उभर रही है।

श्री राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) भाजपा के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जन सेना प्रमुख पवन कल्याण का भी बचाव किया। यह बचाव तेलंगाना में उनकी प्रस्तावित जनसभा की अनुमति को लेकर हाल ही में हुए विवाद के संदर्भ में किया गया। उन्होंने कहा कि जनसभाओं के लिए अनुमति देना एक लोकतांत्रिक अधिकार है और इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.